

Time : 2 Hours

Maximum Marks: 100

ITO Paper –3 Allied Laws (Objective Type)

(Without Books)

10th September, 2025 (Shift 1 – 10.30 AM to 12.30 PM)

Important Instructions : All the questions carry one mark each. For every incorrect attempt 1/8th mark shall be deducted. In case of any doubt, the English version may be taken as authentic. Wherever Assessment year is not given, it may be taken as A.Y. 2025-26. In case of any doubt, choose the most appropriate option for the given question.

1.	<p>Under the Indian Contract Act, 1872, the term "proposal" is defined as:</p> <ol style="list-style-type: none"> A written offer made in the presence of witnesses. The expression of willingness to do or abstain from doing something with a view to obtain assent from the other party. A promise made after accepting an offer. A conditional offer subject to further negotiations. <p>भारतीय संविदा अधिनियम, 1872 के तहत, 'प्रस्ताव' शब्द से अभिप्राय है:</p> <ol style="list-style-type: none"> गवाह की मौजूदगी में दिया गया लिखित प्रस्ताव दूसरी पार्टी से सहमति पाने के लिए कुछ करने या न करने की इच्छा जाहिर करना। प्रस्ताव स्वीकारने के बाद किया गया वायदा। आगामी समझौतों के अधीन, एक सशर्त प्रस्ताव।
2.	<p>An agreement made without consideration is void unless it falls under which of the following exceptions?</p> <ol style="list-style-type: none"> It is verbal. It is supposed by a promise to pay a pre-existing debt or is made on account of natural love and affection. It is based on mutual trust. It is signed by both parties. <p>बिना प्रतिफल के किया गया करार अमान्य है, जब तक यह निम्नलिखित अपवादों के अधीन न हो:-</p> <ol style="list-style-type: none"> यह मौखिक हो यह पूर्व-विद्यमान ऋण को चुकाने के वायदे पर आधारित हो या वह नैसर्गिक प्रेम व स्नेह पर आधारित हो यह आपसी विश्वास पर आधारित हो यह दोनों पक्षों द्वारा हस्ताक्षरित हो
3.	<p>In a joint promise, if one promisor is released by the promisee, what is the effect on the remaining promisors?</p> <ol style="list-style-type: none"> They are automatically released from the obligation. Their liability is reduced in proportion. They must renegotiate the terms of the contract. They remain liable for the entire performance of the promise. <p>एक संयुक्त वचन में यदि वचनदाता को वचनगृहीता द्वारा मुक्त कर दिया जाता है तो, बाकी वचनदाताओं पर इसका क्या प्रभाव होगा ?</p> <ol style="list-style-type: none"> वे स्वयं ही बाधता से मुक्त हो जाते हैं।

	<ul style="list-style-type: none"> b) उनका उत्तरदायित्व आनुपातिक रूप से कम हो जाता है। c) उनको अनुबंध की शर्तों पर पुनर्वाता करनी चाहिए। d) वे वचन के संपूर्ण निर्वहन के लिए जिम्मेदार रहते हैं
4.	<p>Under the Contract Act, when payment is made by a debtor without specifying the debt to be discharged, the creditor may:</p> <ul style="list-style-type: none"> a) Apply it as his discretion to any lawful debt. b) Refund the entire payment. c) Hold the payment until further instructions are received. d) Return the payment as void. <p>संविदा अधिनियम के तहत, उन्मुक्त किये जाने वाले ऋण को बताए बिना, जब देनदार कोई राशि देता है तो, लेनदार:-</p> <ul style="list-style-type: none"> a) अपनी इच्छानुसार इसे किसी भी विधि अनुरूप ऋण में डाल सकता है। b) पूरी पूंजी लौटा सकता है। c) आगामी सूचना प्राप्ति तक राशि को रोक कर रख सकता है। d) भुगतान को खारिज करते हुए, राशि लौटा सकता है।
5.	<p>What is the difference between a contract and an agreement.</p> <ul style="list-style-type: none"> a) A contract is a written agreement, whereas an agreement is a verbal agreement. b) A contract is a binding agreement, while an agreement is a non-binding agreement. c) A contract is an agreement that is enforceable by law, while an agreement is an understanding between two parties. d) A contract is an agreement that is made between two parties while an agreement is an understanding between three parties. <p>एक अनुबंध तथा समझौते में क्या अंतर है ?</p> <ul style="list-style-type: none"> a) अनुबंध एक लिखित समझौता है, जबकि समझौता मात्र एक मौखिक समझौता है। b) अनुबंध एक बाध्यकारी समझौता है, जबकि समझौता एक गैर-बाध्यकारी समझौता है। c) अनुबंध विधि द्वारा लागू करवाया जा सकने वाला समझौता है जबकि समझौता दो पक्षों के बीच की आपसी समझ से बनता है। d) अनुबंध दो पक्षों के बीच का एक समझौता है जबकि समझौता तीन पक्षों की समझ से बनता है।
6.	<p>What agreements are contracts (choose from below option):</p> <ul style="list-style-type: none"> a) All agreements are contract if they are made by the free consent of parties competent to contract, for a lawful consideration and with a lawful object,

	<p>and are not hereby expressly declared to be void.</p> <ul style="list-style-type: none"> b) All agreements are contract if they are made by the free consent of parties competent to contract, for a lawful consideration and with a lawful object, and may be expressly declared to be void. c) All agreements are contract if they are made by the consent of parties competent to contract, for a lawful consideration and with a lawful object, and are not hereby expressly declared to be void. d) All agreements are contract if they are made by the free consent of parties competent to contract, for any object, and are not hereby expressly declared to be void. <p>कौन से समझौते अनुबंध हैं ? (निम्नलिखित में से चुनिए):</p> <ul style="list-style-type: none"> a) वे सभी समझौते अनुबंध हैं, जो अनुबंध कर पाने में सक्षम पक्षों की स्वतंत्र सम्मति से, विधिमान्य प्रतिफल के लिये तथा विधियुक्त उद्देश्य से बनाए जाते हैं, तथा जिन्हें स्पष्ट रूप से खारिज न कर दिया गया हो। b) वे सभी समझौते अनुबंध हैं, जो अनुबंध कर पाने में सक्षम पक्षों की स्वतंत्र सम्मति से, विधिमान्य प्रतिफल के लिये तथा विधियुक्त उद्देश्य से बनाए जाते हैं, तथा जिन्हें स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया गया हो। c) वे सभी समझौते अनुबंध हैं, जो अनुबंध कर पाने में सक्षम पक्षों को सम्मति से, विधिमान्य प्रतिफल के लिये तथा विधियुक्त उद्देश्य से बनाए जाते हैं, तथा जिन्हें स्पष्ट रूप से खारिज न कर दिया गया हो। d) वे सभी समझौते अनुबंध हैं, जो अनुबंध कर पाने में सक्षम पक्षों की स्वतंत्र सम्मति से, विधिमान्य प्रतिफल के लिये तथा किसी भी उद्देश्य से बनाए जाते हैं, तथा जिन्हें स्पष्ट रूप से खारिज न कर दिया गया हो।
7.	<p>Where a promisor has made an offer of performance to promisee and the offer has been accepted, such offer must fulfill the condition:</p> <ul style="list-style-type: none"> a) If the offer is an offer to deliver anything to the promisee, the promisee must have a reasonable opportunity of seeing that the thing offered is the thing which the promisor is bound by his promise to deliver. b) It must be unconditional. c) It must be made at a proper time and place. d) All of the above. <p>यदि वचनदाता ने वचनगृहीता को कुछ करने का प्रस्ताव दिया हो व प्रस्ताव स्वीकार हो गया हो, इस तरह के प्रस्ताव की अनिवार्य शर्त क्या होंगी ?</p> <ul style="list-style-type: none"> a) यदि वचन के हिसाब से कुछ देने का प्रस्ताव किया गया हो तो वचनगृहीता के पास यह परखने का तर्कसंगत अवसर होना चाहिए कि यह वही चीज है, जिसके लिए वचनदाता वचन के हिसाब से बाध्य है। b) यह बिना शर्त के होनी चाहिए।

	<p>c) यह सही जगह तथा सही समय पर किया जाना चाहिए।</p> <p>d) उपर्युक्त सभी</p>
8.	<p>'A' is a professional photographer and promises to shoot a portfolio of 'B' by a certain day and at a certain price. 'A' dies before the day. The contract can be enforced by-</p> <p>a) 'A's representatives</p> <p>b) 'B's representatives</p> <p>c) Either 'A's representatives or 'B's representatives</p> <p>d) None of the above</p> <p>'A' एक व्यवसायिक फोटोग्राफर है, जो एक निश्चित समय तक तथा निश्चित कीमत पर 'B' के लिए फोटोशूट का वायदा करता है। 'A' निर्धारित दिन से पहले ही मर जाता है। यह अनुबंध बाध्य होगा-</p> <p>a) 'A' के प्रतिनिधियों पर</p> <p>b) 'B' के प्रतिनिधियों पर</p> <p>c) या तो 'A' या फिर 'B' के प्रतिनिधियों पर</p> <p>d) उपर्युक्त में से कोई नहीं</p>
9.	<p>'A' saves 'B's property from fire and circumstances show that 'A' intended to act gratuitously. Which of the following statements is true-</p> <p>a) 'A' is not entitled to compensation from 'B'</p> <p>b) 'A' is entitled to compensation from 'B'</p> <p>c) 'A' can legally enforce compensation from 'B'</p> <p>d) 'A' can waive the compensation from 'B'</p> <p>'A' ने 'B' की संपत्ति को आग लगने से बचाया और परिस्थितियों से यह पता चलता है कि 'A' ने यह काम बिना प्रतिफल की मंश के किया था। निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सत्य है :-</p> <p>a) 'A', 'B' से किसी क्षतिपूर्ति के लिए पात्र नहीं है</p> <p>b) 'A', 'B' से क्षतिपूर्ति प्राप्त करने का पात्र है</p> <p>c) 'A', 'B' को क्षतिपूर्ति प्राप्त के लिए कानूनी रूप से बाध्य कर सकता है</p> <p>d) 'A', 'B' से क्षतिपूर्ति को छोड़ सकता है</p>
10.	<p>In case of compensation of loss or damage caused by breach of contract which of the following is true.</p> <p>1) Such compensation is not to be given for any remote and direct loss or damage sustained by reason of the breach</p> <p>2) Such compensation is to be given for any loss or damage which naturally arose in the usual course of things from such breach</p> <p>3) Such compensation can be given for any remote or indirect loss or damage</p>

	<p>sustained by reason of the breach.</p> <p>Choose the correct options:-</p> <p>a) 1 & 3 b) 1 & 2 c) Only 3 is correct d) None of the above</p> <p>अनुबंध के उल्लंघन से हुए नुकसान की क्षतिपूर्ति के संबंध में, निम्न में से कौन सा कथन सत्य है ?</p> <p>1) उल्लंघन के कारणों से हुई किसी सी सुदूर एवं प्रत्यक्ष हानि की भरपाई नहीं की जानी चाहिए 2) ऐसे उल्लंघन से प्रवृत्त नैसर्गिक रूप से जनित किसी भी हानि व नुकसान के लिये ऐसी प्रतिपूर्ति की जानी चाहिए 3) उल्लंघन के कारणों से हुई सुदूर तथा अप्रत्यक्ष हानि के लिए भरपाई की जानी चाहिए।</p> <p>सही विकल्प चुनें:-</p> <p>a) 1 और 3 b) 1 और 2 c) केवल 3 सही है। d) उपरोक्त में से कोई नहीं</p>
11.	<p>'A' agrees to sell 'B' 100 tonnes of food. There is nothing in the contract to indicate what type of 'food' was intended to be sold. The agreement is-</p> <p>a) Valid b) Void for uncertainty c) Voidable d) None of the above</p> <p>'A', 'B' को 100 टन भोजन बेचने के लिए सहमत होता है। संविदा में इस बात को इंगित करने के लिए ऐसा कुछ नहीं है कि किस प्रकार का भोजन बेचे जाने का अभिप्राय था। यह अनुबंध:</p> <p>a) मान्य है b) अनिश्चितता के कारण अमान्य है c) अमान्यकरणीय है d) उपर्युक्त में से कोई नहीं</p>
12.	<p>Which of the following transfers and conditions will be valid under the Transfer of Property Act, 1882?</p> <p>a) A sells the property to B absolutely, with a direction that B cannot sell it without the permission of A b) A makes a gift to B with a condition that in case B does not divorce his wife, the property will revert back to A c) A gifts the property to his wife with a condition that his wife cannot sell</p>

	<p>without A's permission</p> <p>d) None of these</p> <p>संपत्ति अंतरण अधिनियम, 1882 के अंतर्गत निम्नलिखित में से कौन से अंतरण और शर्तें विधिमान्य होंगी ?</p> <p>a) A संपत्ति को पूर्ण रूप से B को इस निदेश के साथ बेचता है कि B इसे A की अनुमति के बिना नहीं बेच सकता।</p> <p>b) A, B को इस शर्त के साथ उपहार देता है कि यदि B ने अपनी पत्नी को तलाक नहीं दिया, तो संपत्ति A को प्रत्यावर्तित हो जाएगी।</p> <p>c) A अपनी पत्नी को उपहार में संपत्ति इस शर्त के साथ देता है कि वह इसे A की अनुमति के बिना नहीं बेच सकती।</p> <p>d) उपर्युक्त में से कोई नहीं</p>
13.	<p>Under the provisions of section 6 of the Transfer of Property Act, 1882, the chance of an heir-apparent succeeding to an estate, the chance of a relation abstaining a legacy on the death of a kinsman, or any other mere possibility of like nature:</p> <p>a) Cannot be transferred</p> <p>b) Can be transferred</p> <p>c) Can be transferred subject to certain conditions</p> <p>d) None of the above.</p> <p>संपत्ति अंतरण अधिनियम, 1882 की धारा 6 के प्रावधानों के अधीन, किसी प्रत्यक्ष वारिस की संपदा का उत्तराधिकारी होने की संभावना, कुल्य की मृत्यु पर किसी नातेदार की वसीयत-संपदा अभिप्राप्त करने की संभावना या इसी प्रकृति की कोई अन्य संभावना मात्र:</p> <p>a) अंतरित नहीं की जा सकती है</p> <p>b) अंतरित की जा सकती है</p> <p>c) कुछ शर्तों के अधीन रहते हुए अंतरित की जा सकती है</p> <p>d) उपर्युक्त में से कोई नहीं</p>
14.	<p>A, the owner of an 4 acre share, and B and C, each the owner of a 2 acre share, in mauza Shivpur, transfer a two-acre share in the said mauza to D, without specifying from which of their several shares the transfer is made. How the transfer can be effected.</p> <p>a) One-acre share is taken from the share of A, and half-an-acre share from each of the shares of B and C.</p> <p>b) 2/3 rd acre (i.e. 0.66 acre) is taken from each of the share of A,B,C is taken.</p> <p>c) Transfer is void</p> <p>d) None of the above.</p> <p>मौज़ा शिवपुर में 4 एकड़ भाग के मालिक A और दो-दो एकड़ के</p>

	<p>मालिक B तथा C इस मौजा में दो एकड़ भाग को D को अंतरित कर देते हैं, इस बात का स्पष्ट रूप से उल्लेख किए बिना कि, उनके पृथक भागों में से किन भागों का अंतरण किया गया है। इस अंतरण को प्रभावी कैसे बनाया जा सकता है ?</p> <p>a) A के भाग में से एक एकड़ भाग तथा B और C दोनों के भागों में से आधा-आधा एकड़ का भाग लिया जाएगा।</p> <p>b) A, B और C प्रत्येक के भाग में से 2/3 एकड़ (यानी 0.66 एकड़) लिया जाएगा।</p> <p>c) अंतरण अमान्य है</p> <p>d) उपर्युक्त में से कोई नहीं</p>
15.	<p>Which of the following conditions must be fulfilled before invoking the principle of equity provided in section 51 of Transfer of properties Act, 1882, which confers right to the person evicted to require the person causing the eviction either to have the value of the improvement estimated and paid or secured to the transferee, or to sell his interest in the property to the transferee at the then market value</p> <p>(I) The person evicted must be transferee. (II) The person must have made the improvements believing in good faith that he was absolutely entitled.</p> <p>Choose the correct option:-</p> <p>a) Only (I) is correct b) Only (II) is correct c) Both (I) and (II) are correct d) None of the above.</p> <p>संपत्ति का अंतरण अधिनियम, 1882, की धारा 51 में समता का सिद्धांत दिया गया है, जो बेदखल होने वाले व्यक्ति को बेदखल करने वाले व्यक्ति से यह अपेक्षा करने का अधिकार प्रदान करता है कि वह या तो अभिवृद्धि के मूल्य को प्राक्कलित करवाएं और उसे अंतरिती को दिलावाएं या प्रतिभूत करवाएं अथवा अपने उस हित को, जो उस संपत्ति में उसे हो, को तत्कालीन बाजार भाव पर बेच दे। इस सिद्धांत का अवलंब लेने से पूर्व इनमें से कौन सी शर्तें पूरी की जानी चाहिए ?</p> <p>I) जिस व्यक्ति को बेदखल किया गया है, वह अंतरिती होना चाहिए। II) उस व्यक्ति द्वारा अभिवृद्धियाँ इस सद्भाव को मानते हुए की गई होनी चाहिए, कि वह ऐसा करने के लिए पूर्ण हकदार था।</p> <p>सही विकल्प चुनें:-</p> <p>a) केवल (I) सही है b) केवल (II) सही है c) (I) तथा (II) दोनों सही हैं d) इनमें से कोई नहीं</p>

16.	<p>Rule of lis pendens provided in section 52 of Transfer of properties Act, 1882, is applicable to suits or proceeding which is not collusive and in which any right to immoveable property is directly and specifically in question. The statement is:</p> <p>a) false b) True c) Partly true d) None of the above.</p> <p>संपत्ति का अंतरण अधिनियम, 1882, की धारा 52 में उपबंधित विचाराधीन वाद का नियम ऐसे वादों या कार्यवाहियों पर लागू होता है जो दुस्संधिपूर्ण न हों या जिनमें अचल संपत्ति का कोई अधिकार प्रत्यक्षतः और विशिष्टतः प्रश्नगत हो। यह कथन है:</p> <p>a) गलत b) सही c) आंशिक रूप से सही d) इनमें से कोई नहीं</p>
17.	<p>Ajay mortgages his property to Bharat. Bharat filed a suit on the mortgage and obtained a decree for sale. While this decree was being executed Ajay leased the property to Shivilal for ten years. At the sale of the property as per decree, Bharat purchased the property himself. What will be legal status of lease of property to Shivilal by Ajay.</p> <p>a) Shivilal will continue to hold lease rights. b) As the lease to Shivilal is affected by the rule contained in Section 52 dealing with transfer of property pending suit, Bharat will be entitled to evict Shivilal. c) Lease to shivilal will continue with rights to Bharat to renegotiate terms of lease. d) None of the above</p> <p>अजय उसकी संपत्ति को भरत के पास गिरवी रखता है। भरत ने गिरवी संपत्ति पर वाद दाखिल किया तथा उसकी बिक्री के लिए एक डिक्री प्राप्त की। जब यह डिक्री निष्पादित हो रही थी, तब अजय ने यह संपत्ति शिवलाल को दस वर्षों के लिए पट्टे पर दे दी। डिक्री के अनुसार संपत्ति की बिक्री होने पर संपत्ति भरत ने अपने लिए खरीदी। अजय द्वारा शिवलाल को पट्टे पर दी गई संपत्ति की विधिक प्रास्थिति क्या होगी ?</p> <p>a) शिवलाल का पट्टे का अधिकार जारी रहेगा। b) चूंकि शिवलाल को दिया गया पट्टा धारा 52, जो संपत्ति के लंबित वादों से संबंधित है, में सम्मिलित नियम से प्रभावित है, इसलिए भरत शिवलाल को बेदखल करने का हकदार होगा। c) शिवलाल को दिया गया पट्टा भरत को पट्टे के नियम दोबारा बातचीत से तय करने के अधिकार के साथ जारी</p>

	<p>रहेगा</p> <p>d) इनमें से कोई नहीं</p>
18.	<p>In respect Section 53 of Transfer of Property Act dealing with Fraudulent transfer, which of the following statements are true?</p> <p>I. The section is applicable to both movable as well as immovable property.</p> <p>II. The section is restricted to immovable property only.</p> <p>III. Benefit of the section are applicable to existing creditors and also extends to subsequent creditors.</p> <p>IV. This section does not render a transaction void ab initio, but only voidable at the option of any creditor so defeated or delayed.</p> <p>a) I, III and IV</p> <p>b) II and IV</p> <p>c) II, III, IV</p> <p>d) I and IV</p> <p>संपत्ति अंतरण अधिनियम की धारा 53, जो कपटपूर्ण अंतरण के संबंध में है, के संबंध में निम्नलिखित में से कौन से कथन सत्य हैं ?</p> <p>I. यह धारा चल तथा अचल दोनों संपत्तियों पर लागू होती है।</p> <p>II. यह धारा केवल अचल संपत्ति तक निर्बंधित है</p> <p>III. इस धारा के लाभ विद्यमान लेनदारों पर लागू होते हैं तथा उत्तरवर्ती लेनदारों के लिए भी विस्तारित होते हैं।</p> <p>IV. यह धारा आदितः किसी लेनदेन को शून्य नहीं बनाती, लेकिन ऐसे किसी लेनदार के विकल्प पर शून्यकरणीय होगा जिसे विफल या देरी कराई गई है।</p> <p>a) I, III तथा IV</p> <p>b) II तथा IV</p> <p>c) II, III, IV</p> <p>d) I, तथा IV</p>
19.	<p>Every transfer of immovable property with the intent to defeat or delay the creditors of the transferer.</p> <p>a) Shall be void</p> <p>b) Shall be voidable at the option of the creditor so delayed.</p> <p>c) Shall be valid as long as main transaction is valid.</p> <p>d) Shall not be registrable.</p> <p>अचल संपत्ति का प्रत्येक ऐसा अंतरण, जो अंतरण के लेनदारों को विफल करने या उन्हें देरी कराने के आशय से किया गया है।</p> <p>a) शून्य होगा</p> <p>b) ऐसे लेनदार के विकल्प पर शून्यकरणीय होगा, जिसे देरी करवाई गई है</p>

	<p>c) जब तक मुख्य लेनदेन मान्य है तब तक मान्य होगा</p> <p>d) रजिस्ट्रीयोग्य नहीं होगा</p>
20.	<p>The following are some essential conditions for basing a claim on section 53A of the Transfer of Property Act, 1882:</p> <p>(1) The contract should have been in writing signed by transferor. (2) Transferee should have got possession of the immovable property covered by contract. (3) Transferee should have done some act in furtherance of contract. Choose the correct option:-</p> <p>a) Only (1) and (2) are relevant b) Only (2) and (3) are relevant c) Only (1) and (3) are relevant d) All (1), (2) and (3) are relevant</p> <p>संपत्ति अंतरण अधिनियम, 1882 की धारा 53A को आधार बनाकर दावा करने के लिए निम्नलिखित कुछ अनिवार्य शर्तें हैं:</p> <p>(1) संविदा लिखित तथा अंतरक द्वारा हस्ताक्षरित होनी चाहिए (2) अंतरिती के पास संविदा में उल्लिखित अचल संपत्ति का कब्जा होना चाहिए। (3) अंतरिती ने संविदा को आगे बढ़ाने की दिशा में कोई कार्य किया होना चाहिए सही विकल्प चुनें:-</p> <p>a) केवल (1) तथा (2) प्रासंगिक हैं। b) केवल (2) तथा (3) प्रासंगिक हैं। c) केवल (1) तथा (3) प्रासंगिक हैं। d) (1), (2) तथा (3) सभी प्रासंगिक हैं।</p>
21.	<p>If the owner of two or more properties mortgages them to one person and then sells one or more of the properties to another person. Such buyer is entitled to have the mortgage -debt satisfied out of the property or properties not sold to him. This marshalling by subsequent purchaser is possible provided.</p> <p>I. There is no contract to the contrary II. It does not cause prejudice the rights of the mortgagee or persons claiming under him or any other person who has for consideration acquired an interest in any of the properties. III. Right of marshalling is dependent on consent of the mortgagee.</p> <p>a) Only I is correct b) I,II,III are correct c) Only I and II are correct d) Only II and III are correct.</p> <p>यदि दो या उससे अधिक संपत्तियों का स्वामी उन्हें एक व्यक्ति के</p>

	<p>पास बंधक रखता है और फिर एक या अधिक संपत्तियों को किसी अन्य व्यक्ति को बेच देता है। ऐसा क्रेता, उस संपत्ति या संपत्तियों में से जो उसे नहीं बेची गई हैं, बंधक ऋण की तुष्टि करवाने का हकदार है। उत्तरवर्ती क्रेता द्वारा यह कमबंधन संभव है बशर्ते:</p> <p>I) इसके अन्यथा कोई संविदा नहीं है</p> <p>II) यह, बंधकदार या उसके अधीन दावा करने वाले व्यक्तियों या कोई अन्य व्यक्ति जिसने किन्हीं भी संपत्तियों में प्रतिफल देकर कोई हित अर्जित किया है, के अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं डालता है।</p> <p>III) कमबंधन का अधिकार बंधकदार की सहमति पर निर्भर करता है।</p> <p>a) केवल (I) सही है</p> <p>b) (I), (II), (III) सही है</p> <p>c) केवल (I) और (II) सही है</p> <p>d) केवल (II) और (III) सही है</p>
22.	<p>The power which is given to the court u/s 57 of the Transfer of Property Act, 1882 is intended</p> <p>I. To facilitate the alienation of encumbered estate by relieving the land from the encumbrance and substituting for the land another form of security.</p> <p>II. Not to facilitate the sale of encumbered estates by taking the encumbrance off the title before sale</p> <p>a) Only I is correct</p> <p>b) Only II is correct</p> <p>c) Both I & II are correct</p> <p>d) None of the above</p> <p>संपत्ति-अंतरण अधिनियम, 1882 की धारा 57 के अंतर्गत न्यायालय को दिए गए अधिकार का अभिप्राय है</p> <p>I) भूमि को भारग्रस्तता से मुक्त करके और भूमि के एवज में किसी अन्य रूप में प्रतिभूति प्रदान करके भारग्रस्त संपदा के अन्यसंकामण को सुगम बनाने के लिए</p> <p>II) विक्रय से पूर्व, भारग्रस्तता टाइटल को रद्द न मानते हुए भारग्रस्त संपदा के विक्रय को सुगम नहीं करने के लिए</p> <p>a) केवल (I) सही है</p> <p>b) केवल (II) सही है</p> <p>c) (I) और (II) दोनों सही हैं</p> <p>d) उपर्युक्त में से कोई नहीं</p>
23.	<p>As per the provisions of section 55 of the Transfer of Property Act, 1882, the seller is:</p>

	<p>a) To disclose to the buyer any material defect in the property [or in the seller's title thereto] of which the seller is, and the buyer is not, aware, and which the buyer could not with ordinary care discover;</p> <p>b) Not bound to disclose anything</p> <p>c) Depends on the terms of contract for sale</p> <p>d) None of the above.</p> <p>संपत्ति अंतरण अधिनियम, 1882 की धारा 55 के अनुसार, विक्रेता:—</p> <p>a) उस संपत्ति में या विक्रेता के उस संपत्ति पर के हक में किसी ऐसी तात्विक त्रुटि को, जिसे विक्रेता जानता हो और क्रेता नहीं जानता हो और क्रेता जिसका पता मामूली सावधानी से नहीं लगा सकता था, क्रेता को प्रकट करे।</p> <p>b) कुछ भी प्रकट करने के लिये बाध्य नहीं है।</p> <p>c) विक्रय अनुबंध की शर्तों पर निर्भर करता है।</p> <p>d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।</p>
24.	<p>Where the mortgaged property or any part thereof or any interest therein is compulsory acquired under the Land Acquisition Act or any other enactment in force,</p> <p>a) The mortgagee shall be entitled to claim payment of the mortgage-money, in whole or in part, out of the amount due to the mortgagor as compensation.</p> <p>b) The mortgagee shall be entitled to claim maximum 50 % payment of the mortgage-money out of the amount due to the mortgagor as compensation.</p> <p>c) Shall be not entitled to claim payment of the mortgage-money from compensation due to the mortgagor .</p> <p>d) None of the above.</p> <p>जहां, भूमि अधिग्रहण अधिनियम या किसी अन्य प्रभावी अधिनियम के अंतर्गत बंधक संपत्ति या उसका कोई भाग या उसमें कोई हित अनिवार्य रूप से अधिग्रहित किया जाता है:—</p> <p>a) बंधकदार, बंधककर्ता को देय क्षतिपूर्ति राशि में से, पूर्ण या उसका भाग, बंधक-राशि के भुगतान का दावा करने का हकदार है</p> <p>b) बंधकदार, बंधककर्ता को देय क्षतिपूर्ति राशि में से बंधक-राशि के अधिकतम 50 प्रतिशत भुगतान का दावा करने का हकदार है</p> <p>c) बंधककर्ता को, देय क्षतिपूर्ति राशि में से बंधक-राशि के भुगतान का दावा करने का हक नहीं होगा।</p> <p>d) उपर्युक्त में से कोई नहीं</p>
25.	Which of the following is valid gift under the Transfer of Property Act, 1882?

	<p>a) A gift of interest in a house to a donee by a donor, allowing him to stay in it as long as he pays maintenance charges of Rs.30,000 per month to the donor. The rental value of the property is Rs.26,000.</p> <p>b) A gift of land by donor to a donee, in return of a stone necklace worth Rs.30,000. The value of land being Rs.73,000.</p> <p>c) A gift of single diamond valued at Rs.75,000 /- to a donee, in return of the donee being a considerate person.</p> <p>d) All of these</p> <p>संपत्ति-अंतरण अधिनियम, 1882 के अंतर्गत निम्नलिखित में से विधिमान्य दान कौन सा है ?</p> <p>a) दाता द्वारा आदाता को घर में हित दान जोकि, दाता को रु. 30,000/- प्रतिमाह अनुरक्षण शुल्क देते रहने के समय तक आदाता को घर में रहने की अनुमति के रूप में है। संपत्ति का भाटक मूल्य रु. 26,000/- है।</p> <p>b) दाता द्वारा आदाता को रु. 30,000/- के पत्थर के हार के बदले में भूमि का दान। भूमि का मूल्य रु. 73,000/- है।</p> <p>c) विचारशील व्यक्ति होने के बदले में आदाता को रु. 75,000/- एक हीरे का दान।</p> <p>d) उपर्युक्त सभी</p>
26.	<p>Narendra has shares in XYZ Pvt Ltd, a prosperous joint stock company, and also shares in ABC Pvt. Ltd, a joint stock company, in difficulties. Heavy falls are expected in respect of the shares in ABC Pvt. Ltd. Narendra gives Rahul all his shares in joint stock companies. Rahul refuses to accept the shares in ABC Pvt. Ltd.</p> <p>a) He can take the shares in XYZ Pvt Ltd .</p> <p>b) As the gift is in the form of a single transfer, Rahul can not take shares in XYZ Pvt Ltd by the gift by refusing to accept shares in ABC Pvt. Ltd.</p> <p>c) Narendra can not gift shares of in ABC Pvt. Ltd as loss is expected.</p> <p>d) None of the above.</p> <p>नरेन्द्र के पास XYZ प्राइवेट लिमिटेड के शेयर हैं, जो एक प्रगतिशील संयुक्त स्टॉक कंपनी है, और ABC प्राइवेट लिमिटेड के शेयर भी हैं, जो कठिनाई के दौर में है। ABC प्राइवेट लिमिटेड के शेयरों में भारी गिरावट संभावित है। नरेन्द्र संयुक्त स्टॉक कंपनीज में उसके सभी शेयर राहुल को देता है। राहुल ABC प्राइवेट लिमिटेड में शेयरों को लेने से मना कर देता है।</p> <p>a) वह XYZ प्राइवेट लिमिटेड में शेयर ले सकता है।</p> <p>b) चूंकि दान एकल अंतरण के रूप में है, इसलिए ABC प्राइवेट लिमिटेड के शेयरों को अस्वीकार करके वह दान द्वारा XYZ प्राइवेट लिमिटेड के शेयर नहीं ले सकता।</p> <p>c) नरेन्द्र ABC प्राइवेट लिमिटेड के शेयरों को दान नहीं कर सकता क्योंकि हानि का अनुमान है।</p> <p>d) उपर्युक्त में से कोई नहीं</p>

27.	<p>Amit and Sumit are rival claimant of the proceeds of a policy of life of their debtor, which had been paid into court by the insurance company . Amit relied on an instrument in writing constituting an assignment in his favour, and Sumit based his claim on a deposit of the policy with him by the debtor without any written instrument. Which of the following claim is legally sound.</p> <p>a) Claim of both Amit and Sumit are legally sound. b) Claim of Amit is sound as assignment of claim is in writing. c) Claim of Sumit is sound as the policy was deposited with him by the debtor. d) None of the above.</p> <p>अमित और सुमित, उनके ऋणी की जीवन बीमा पॉलिसी की प्राप्तियों जिसे बीमा कंपनी द्वारा न्यायालय में जमा करवा दिया गया है, के प्रतिद्वंद्वी दावेदार है। अमित का दावा ऋणी द्वारा उसके पक्ष में लिखित समनुदेशित लिखित पर आधारित है और सुमित का दावा ऋणी द्वारा उसके पास बिना लिखत के जमा की गई पॉलिसी पर आधारित है। निम्नलिखित में कौन सा दावा विधिक रूप से सही है ?</p> <p>a) अमित और सुमित, दोनों के दावे विधिक रूप से सही हैं। b) अमित का दावा सही है क्योंकि दावे को लिखित में समनुदेशित किया गया है। c) सुमित का दावा सही है क्योंकि उसके पास बीमा पॉलिसी ऋणी द्वारा जमा करवाई गई थी। d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।</p>
28.	<p>The document that defines the relationship between the company and its members is called:</p> <p>a) Prospectus b) Articles of Association c) Memorandum of Association d) Statement in lieu of prospectus</p> <p>जो दस्तावेज़ कम्पनी और उसके सदस्यों के बीच संबंध को परिभाषित करता है वह कहलाता है</p> <p>a) विवरण –पत्रिका b) संगम-अनुच्छेद c) संगम ज्ञापन d) विवरण-पत्रिका के बदले में कथन</p>
29.	<p>Which of the following statement about National Company Law Tribunal is not correct?</p> <p>a) It is a quasi-judicial body constituted under Section 407 of the Companies Act, 2013 and deals with matters mainly related to companies law and insolvency law. b) The President of the Tribunal and the chairperson and Judicial Members of</p>

	<p>the Appellate Tribunal , shall be appointed after consultation with the Chief Justice of India.</p> <p>c) The President and every other member of the NCLT hold office for a term of five years from the date of assuming office, with eligibility for re-appointment for another five-year term.</p> <p>d) It was established based on the recommendation of the V. Balakrishna Eradi committee.</p> <p>राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है ?</p> <p>a) यह कंपनीज अधिनियम, 2013 की धारा 407 के अंतर्गत गठित किया गया एक न्यायिक-कल्प निकाय है और मुख्यतः कम्पनीज विधि और दिवालिया विधि से संबंधित मामलों का निपटान करता है।</p> <p>b) अधिकरण के अध्यक्ष और अपीलीय अधिकरण के अध्यक्ष व न्यायिक सदस्यों की नियुक्ति, भारत के मुख्य न्यायमूर्ति से परामर्श के पश्चात की जाती है।</p> <p>c) एन.सी.एल.टी. का अध्यक्ष और प्रत्येक अन्य सदस्य पद ग्रहण करने की तिथि से 5 वर्ष की अवधि के लिए पद पर बने रहते हैं एवं साथ ही अन्य पांच वर्षों की अवधि हेतु पुनः नियुक्ति के लिए पात्र होते हैं।</p> <p>d) यह वी बालाकृष्णा इराड़ी समिति की सिफारिशों के आधार पर स्थापित किया गया था।</p>
30.	<p>Section 2(60) of the Companies Act, 2013 defines "officer who is in default" as any officer of a company liable to penalties or punishment for non-compliance. An officer who is in default include :</p> <p>(i) Whole-time director and/ or key managerial personnel;</p> <p>(ii) Where there is no key managerial personnel, such director or directors as specified by the Board in this behalf and who has or have given his or their consent in writing to the Board to such specification, or all the directors, if no director is so specified</p> <p>(iii) In respect of the issue or transfer of any shares of a company, the share transfer agents, registrars and merchant bankers to the issue or transfer</p> <p>(iv) Any person who, under the immediate authority of the Board or any key managerial personnel, is charged with any responsibility including maintenance, filing or distribution of accounts or records, authorises, actively participates in, knowingly permits, or knowingly fails to take active steps to prevent, any default;</p> <p>Choose the correct options:-</p> <p>a) Only (i), (ii) and (iv) are correct</p> <p>b) Only (i) and (ii) are correct</p> <p>c) Only (i), (ii) and (iii) are correct</p> <p>d) All of the above are correct</p> <p>कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 2(60), अपालन के लिए दंड</p>

	<p>या शास्त्र के लिए उत्तरदायी, कम्पनी के किसी अधिकारी अर्थात् “चूककर्ता अधिकारी” को परिभाषित करती है। एक चूककर्ता अधिकारी में शामिल है:</p> <ul style="list-style-type: none"> (i) पूर्ण-कालिक निदेशक और/या मुख्य प्रबंधकीय कार्मिक (ii) जहाँ कोई मुख्य प्रबंधक कार्मिक नहीं है वहाँ बोर्ड द्वारा इस प्रयोजनार्थ विनिर्दिष्ट निदेशक तथा वे, जिन्होंने ऐसी विशिष्टताओं के प्रति बोर्ड को अपनी लिखित सहमति दे दी है; अथवा जहाँ कोई निदेशक विनिर्दिष्ट नहीं है-वहाँ सभी निदेशक। (iii) कम्पनी के किन्हीं भी शेयरों के अंतरण या जारी करने के संबंध में अंतरण या जारी करने के लिए शेयर अंतरण अभिकर्ता, पंजीयक और मर्चेन्ट बैंकर। (iv) कोई व्यक्ति जिसे, बोर्ड के तात्कालिक प्राधिकार के तहत या किसी प्रमुख प्रबंधन कार्मिक के प्राधिकार से, किसी दायित्व का प्रभारी बनाया गया है, जिसमें-लेखा और अभिलेखों का रखरखाव, फाईलिंग या संवितरण शामिल है; वह किसी चूक से बचने के लिये-प्रधिकृत करता है, सुचारु रूप से भाग लेता है, जानबूझकर आज्ञा देता है या जानबूझकर सुचारु कदम उठाने में विफल रहता है। <p>सही विकल्प चुनें:-</p> <ul style="list-style-type: none"> a) केवल (i), (ii) और (iv) सही हैं। b) केवल (i) और (ii) सही हैं। c) केवल (i), (ii) और (iii) सही हैं। d) उपर्युक्त सभी सही हैं।
31.	<p>Every Company satisfying the below mentioned criteria during the immediately preceding Financial Year shall constitute a Corporate Social Responsibility Committee</p> <ul style="list-style-type: none"> a) Having net worth of 100 Crore or more or Net Profit of 1 Crore or more or Turnover of 100 Crore or more b) Having net worth of 200 Crore or more or Net Profit of 2 Crore or more or Turnover of 200 Crore or more c) Having net worth of 500 Crore or more or Net Profit of 5 Crore or more or Turnover of 500 Crore or more d) Having net worth of 500 Crore or more or Net Profit of 5 Crore or more or Turnover of 1000 Crore or more <p>प्रत्येक कम्पनी जो पूर्ववर्ती वित्त वर्ष के दौरान निम्नलिखित मापदंड को पूरा करती है, उसे कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व समिति का गठन करना होगा:-</p> <ul style="list-style-type: none"> a) शुद्ध मालियत रु. 100 करोड़ या उससे अधिक हो या शुद्ध लाभ 1 करोड़ या उससे अधिक हो या, आवर्त रु. 100 करोड़ या उससे अधिक हो। b) शुद्ध मालियत रु. 200 करोड़ या उससे अधिक हो या शुद्ध लाभ 2 करोड़ या उससे अधिक हो या आवर्त रु. 200 करोड़ या उससे अधिक हो।

	<p>c) शुद्ध मालियत रु. 500 करोड़ या उससे अधिक हो या शुद्ध लाभ 5 करोड़ या उससे अधिक हो या, आवर्त रु. 500 करोड़ या उससे अधिक हो।</p> <p>d) शुद्ध मालियत रु. 500 करोड़ या उससे अधिक हो या शुद्ध लाभ 5 करोड़ या उससे अधिक हो या, आवर्त रु. 1000 करोड़ या उससे अधिक हो।</p>
32.	<p>The Registrar may, for any special reason, extend the time within which any annual general meeting, other than the first annual general meeting, shall be held by a company, by a period not exceeding.</p> <p>a) One month b) Three Months c) Six months d) Nine Months</p> <p>रजिस्ट्रार; किसी विशेष कारण से पहली वार्षिक सामान्य बैठक को छोड़कर किसी कंपनी द्वारा आयोजित होने वाली अन्य कोई वार्षिक सामान्य बैठक से अनधिक समय के लिए आगे बढ़ा सकेगा।</p> <p>a) एक माह b) तीन माह c) छः माह d) नौ माह</p>
33.	<p>Which one of the following statements are correct?</p> <p>(I) Section 211 of the companies Act deals with the establishment of Serious Fraud Investigation Office (II) Company Law Board was established in 1991 but has been dissolved and replaced by National Company Law Tribunal from 01.06.2016.</p> <p>a) Only (I) is correct b) Only (II) is correct c) Both (I) and (II) are correct d) Both (I) and (II) are incorrect</p> <p>निम्न में से कौन सा/से कथन सही है/हैं ?</p> <p>(I) कंपनी अधिनियम की धारा 211 गंभीर कपट अन्वेषण कार्यालय की स्थापना से संबंधित है। (II) कंपनी विधि-बोर्ड की स्थापना 1991 में हुई थी पर बाद में वह भंग हो गई और उसके स्थान पर राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिनियम का गठन दिनांक 01.06.2016 को किया गया</p> <p>a) केवल (I) सही है b) केवल (II) सही है</p>

	<p>c) (I) और (II) दोनों सही हैं</p> <p>d) (I) और (II) दोनों गलत हैं</p>
34.	<p>Section 186(1) of the Companies act states that without prejudice to the provisions contained in this Act, a company shall unless otherwise prescribed, make investment through not more than <u>two</u> layers of investment companies:</p> <p>Provided that the provisions of this sub-section shall not affect,—</p> <p>(I) A company from acquiring any other company incorporated in a country outside India if such other company has investment subsidiaries beyond two layers as per the laws of such country;</p> <p>(II) A subsidiary company from having any investment subsidiary for the purposes of meeting the requirements under any law, rule or regulation framed under any law.</p> <p>Choose the correct option.</p> <p>a) Only (I) is correct</p> <p>b) Only (II) is correct</p> <p>c) Both (I) and (II) are correct</p> <p>d) None of the above are correct</p> <p>कंपनी अधिनियम की धारा 186(1) बताती है कि इस अधिनियम में निहित प्रावधानों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, जब तक कंपनी को किसी तरह का आदेश ना दिया गया हो, वह दो परत की विनिधान कंपनियों से अधिक के माध्यम से निवेश नहीं करेगी; बशर्ते कि, इस उपधारा के प्रावधानों से पर कोई असर नहीं पड़ता हो।</p> <p>(I) एक कंपनी को दूसरी अन्य कंपनी के अर्जन से जिसका गठन भारत के बाहर किसी देश में हुआ हो, यदि ऐसी अन्य कंपनी की उस देश के नियमानुसार दो परतों से अधिक निवेश अनुषंगी हैं।</p> <p>(II) किसी कानून के अंतर्गत गठित किसी विधि, नियम या विनियम के अंतर्गत जरूरतों को पूरा करने हेतु किसी समनुषंगी कंपनी का कोई निवेशी अनुषंगी लेने</p> <p>सही विकल्प चुने:</p> <p>a) केवल (I) सही है।</p> <p>b) केवल (II) सही है।</p> <p>c) (I) और (II) दोनों सही हैं।</p> <p>d) उपरोक्त में से कोई सही नहीं है।</p>
35.	<p>Which of the following option is not correct :</p> <p>In computing the net profits of a company in any financial year for the purpose of section 197 of the companies Act, 2013, credits shall not be given for the following sums</p> <p>a) Profits, by way of premium on shares unless the company is an investment company</p> <p>b) Directors' remuneration</p>

	<p>c) Profits on sales by the company of forfeited shares d) Profits of a capital nature including profits from the sale of the undertaking or any of the undertakings of the company or of any part thereof</p> <p>कंपनी अधिनियम, 2013, की धारा 197 के प्रयोजन से, किसी वित्त वर्ष के दौरान किसी कंपनी के शुद्ध लाभ की गणना करते समय, निम्नलिखित राशि की गणना नहीं की जाती-</p> <p>a) शेयर पर प्रीमियम के रूप में लाभ, जब तक कंपनी निवेशी कंपनी ना हो b) निदेशकों का पारिश्रमिक c) समपहत शेयरों की कंपनी द्वारा विक्रय पर लाभ d) पूंजी स्वरूप लाभ, जिसमें उपक्रम के विक्रय से लाभ या कंपनी या उसके किसी भाग का उपक्रम शामिल हो</p>
36.	<p>What is the fine that can be imposed on a company if a prospectus is issued in contravention of the provisions Section 26 of Companies Act 2013?</p> <p>a) Not less than Rs. 10,000/- and upto Rs. 50,000/- b) Not less than Rs. 10,000/- and upto Rs. 1,00,000/- c) Not less than Rs. 50,000/- and upto Rs. 2,00,000/- d) Not less than Rs. 50,000/- and upto Rs. 3,00,000/-</p> <p>कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 26 के प्रावधान के उल्लंघन में यदि एक विवरण पत्र जारी किया जाता है तो कंपनी पर लगाए जा सकने वाले जुर्माने की राशि क्या है ?</p> <p>a) न्यूनतम रु. 10,000/- तथा अधिकतम रु. 50,000/- b) न्यूनतम रु. 10,000/- तथा अधिकतम रु. 1,00,000/- c) न्यूनतम रु. 50,000/- तथा अधिकतम रु. 2,00,000/- d) न्यूनतम रु. 50,000/- तथा अधिकतम रु. 3,00,000/-</p>
37.	<p>_____ means such shares as are issued by a company to its directors or employees at a discount or for consideration, other than cash, for providing their know-how or making available rights in the nature of intellectual property rights or value additions, by whatever name called</p> <p>a) Sweat Equity Shares b) Bonus Shares c) Rights Shares d) None of the above</p> <p>..... का तात्पर्य है ऐसे शेयर जिसे कंपनी अपना व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करने हेतु या बौद्धिक सम्पत्ति अधिकार या मूल्य में परिवर्धन के रूप में अधिकार प्राप्त करने हेतु बट्टा या प्रतिफल के रूप में अपने निदेशकों या कर्मचारियों को जारी करती है।</p> <p>a) स्वेट इक्विटी शेयर</p>

	<ul style="list-style-type: none"> b) अभिलाभ शेयर c) अधिकार शेयर d) उपरोक्त में से कोई नहीं
38.	<p>Out of following which item cannot be exercised by the Board of Directors of a company except with the consent of the company by a special resolution,?</p> <ul style="list-style-type: none"> a) To diversify the business of the company b) To take over a company c) To file annual reports etc d) To sell of the whole or substantially the whole of the undertaking of the company <p>विशेष प्रस्ताव द्वारा कंपनी की सहमति के बिना, कंपनी के निदेशक बोर्ड द्वारा निम्न में से किस विकल्प का प्रयोग नहीं किया जा सकता ?</p> <ul style="list-style-type: none"> a) कंपनी के व्यवसाय में विविधता लाने हेतु। b) कंपनी को ग्रहण करने हेतु। c) वार्षिक रिपोर्ट आदि लिखने हेतु। d) कंपनी के कामकाज को पूर्ण रूप से या बहुतायत रूप से बेचने के लिये।
39.	<p>Where the Tribunal has made a winding up order or appointed a Company Liquidator, such liquidator shall, within 60 days from the order, submit to the Tribunal, a report containing the following particulars, namely:— the nature and details of the assets of the company including :</p> <ul style="list-style-type: none"> a) Their location and value b) Stating separately the cash balance in hand and in the bank, if any, c) The negotiable securities, if any, held by the company d) All of the above <p>जब अदालत एक समापन आदेश जारी करती है या कंपनी का परिसमापक नियुक्त करती है तो वह परिसमापक आदेश के 60 दिनों के भीतर, सहित निम्नलिखित विवरण जैसे कंपनी की परिसंपत्ति की अवस्था एवं विवरण की एक रिपोर्ट बना कर अदालत में जमा करता है:</p> <ul style="list-style-type: none"> a) उनका स्थान और कीमत b) बैंक या हाथ में कोई नकद शेष हो तो उसका अलग-अलग विवरण c) कंपनी की परकाम्य प्रतिभूतियां यदि कोई हो तो d) उपरोक्त सभी

40.	<p>The Official Liquidator within thirty days of his appointment shall call upon the creditors of the company to prove their claims in such manner as may be prescribed, within _____ days of the receipt of such call.</p> <p>a) 15 b) 30 c) 45 d) 60</p> <p>आधिकारिक परिसमापक, अपनी नियुक्ती के 30 दिनों के भीतर, कंपनी के लेनदारों को, प्राधिकृत रीति अनुसार अपना दावा, ऐसे बुलावे की प्राप्ति के दिनों के भीतर सिद्ध करने के लिये बुलाएगा।</p> <p>a) 15 b) 30 c) 45 d) 60</p>
41.	<p>Which of the following statements are correct as per Companies Act,2013?</p> <p>(I) Power of Securities and Exchange Board to regulate issue and transfer of securities is dealt under Section 24 of Companies Act,2013- (II) Section 25 of the Company Act, 2013 deals with document containing offer of securities for sale to be deemed prospectus (III) Section 26 of the Company Act, 2013 deals with public offer and private placement</p> <p>a) Only (I) is correct b) Only (II) is correct c) Both (I) and (II) are correct d) All of the above are correct</p> <p>कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुसार निम्न में से कौन से कथन सत्य हैं ?</p> <p>(I) प्रतिभूतियों के निर्गमन व अंतरण को विनियमित करने के लिए प्रतिभूति तथा विनियम बोर्ड की शक्ति, कंपनी अधिनियम-2013 की धारा 24 के तहत निहित है। (II) कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 25, प्रतिभूतियों के विक्रय से संबंधित दस्तावेज़, जो मानित प्रोस्पेक्टस होता है, से संबंधित है। (III) कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 26 पब्लिक ऑफर तथा प्राइवेट प्लेसमेंट से संबंधित है।</p> <p>a) केवल (I) सही है b) केवल (II) सही है c) केवल (I) व (II) सही हैं d) उपरोक्त सभी सही हैं</p>

42.	<p>If a company or any officer of a company or any other person contravenes any of the provisions of this Act or the rules made thereunder, and for which no penalty or punishment is provided elsewhere in this Act, the company and every officer of the company who is in default or such other person shall be :</p> <ul style="list-style-type: none"> a) Not Liable for any punishment since nothing is provided in the Act b) Liable to a penalty as mentioned in Section 450 of the Act. c) Liable to a penalty of ten thousand rupees, and in case of continuing contravention, with a further penalty of one thousand rupees for each day after the first during which the contravention continues, subject to a maximum of one lakh rupees in case of a company and fifty thousand rupees in case of an officer who is in default or any other person. d) None of the above <p>यदि कोई कंपनी या कंपनी का कोई अधिकारी या कोई अन्य व्यक्ति इस अधिनियम के किसी उपबंध या उसके अधीन बने किसी नियम का उल्लंघन करता है और जिसके लिए इस अधिनियम में कोई शास्ति या दण्ड का उल्लेख न हो, तो वह कंपनी और उस कंपनी का प्रत्येक अधिकारी जो दोषी हो या ऐसे किसी अन्य दोषी व्यक्ति को:</p> <ul style="list-style-type: none"> a) किसी भी दण्ड के लिए उत्तरदायी नहीं माना जाएगा क्योंकि इस अधिनियम में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। b) इस अधिनियम की धारा 450 में उल्लिखित शास्ति के लिये उत्तरदायी माना जाएगा। c) दस हजार रुपये की शास्ति की देयता और उल्लंघन लगातार करते रहने की स्थिति में, प्रथम उल्लंघन करने के बाद से प्रत्येक दिन के लिए एक हजार रुपये की शास्ति, जो कंपनी के मामले में अधिकतम एक लाख रुपये तथा किसी दोषी अधिकारी या अन्य व्यक्ति के मामले में अधिकतम पचास हजार रुपये होगी। d) उपरोक्त में से कोई नहीं
43.	<p>Mr A was partner in a partnership firm along with his two living son. In 2022 on expressed desire of Mr A, his orphan grandchild Ratan who is a minor was inducted as a partner in the Firm. In 2023 Mr A died due to severe illness and the partnership continued without him as a partner. However, after the death of Mr A, the other partners stopped paying any share of profit to Ratan. In 2025, Ratan who is still a minor got admission in a good college for his studies but was not having sufficient funds to pay the admission fees. Ratan's maternal uncle advised him to sue the partners for non-payment of share of profit to Ratan.</p> <ul style="list-style-type: none"> a) He can sue the other partners b) He cannot sue the other partners as he is still a minor c) He can sue the partners only after severing his connection with the Firm d) His uncle can sue the partners on his behalf <p>श्री A अपने दो जीवित पुत्रों के साथ किसी साझेदारी फर्म में</p>

	<p>साझेदार थे। सन् 2022 में श्री A की व्यक्ति इच्छानुसार, उनके अनाथ पौत्र-रतन जो अवयस्क है, को एक साझेदार के रूप में शामिल किया गया। सन् 2023 में गंभीर बीमारी के कारण श्री A का निधन हो गया और साझेदार के रूप में उनके न होते हुए साझेदारी जारी रही। परन्तु श्री A के निधन पश्चात् अन्य साझेदारों ने रतन को लाभ का कोई भी हिस्सा देना बंद कर दिया। सन् 2025 में, रतन, जो अभी भी अवयस्क है, ने अपनी पढ़ाई के लिए एक अच्छे कॉलेज में दाखिला ले लिया लेकिन उसके पास दाखिला-शुल्क देने के लिए पर्याप्त धन नहीं था। रतन के मामा ने उसे सलाह दी कि वह उन साझेदारों पर रतन का लाभांश न देने के कारण उन पर वाद दाखिल करे।</p> <ol style="list-style-type: none"> वह अन्य साझेदारों पर वाद चला सकता है वह अन्य साझेदारों पर वाद नहीं चला सकता है क्योंकि वह अभी भी अवयस्क है फर्म के साथ अपना संबंध विच्छेद करने के बाद ही, वह उन साझेदारों पर वाद चला सकता है। उसकी ओर से उसके मामा उन साझेदारों पर वाद चला सकते हैं
44.	<p>Mr C and Mrs D jointly owned a piece of land in Goa near the sea beach. They entered into a Joint Development with a Developer Mr E, to construct an apartment with 16 residential units. In the agreement it was decided that Mr C and Mrs D will contribute the land and Mr E will make the actual construction. 50% of the constructed residential units will be allotted to Mr E and the rest will be allotted to Mr C and Mrs D. Now state which of the Acts mentioned below will govern over such arrangement?</p> <ol style="list-style-type: none"> Indian Evidence Act 1872 Limited Liability Partnership Act 2008 Indian Partnership Act 1932 Indian Contract Act 1872 <p>श्री C और श्रीमती D ने गोवा में समुद्री तट के पास भूमि का एक हिस्सा संयुक्त रूप से खरीदा। एक विकासकर्ता, श्री E के साथ मिलकर उन्होंने 16 आवासीय इकाईयों का एक अपार्टमेन्ट बनवाने हेतु संयुक्त निर्माण कार्य प्रारंभ किया। अनुबंध-पत्र पर यह निर्णय लिया गया कि श्री C और श्रीमती D भूमि के लिए धनराशि देंगे और श्री E उस पर वास्तविक निर्माण कार्य करेंगे। निर्माण की गई आवासीय इकाईयों का 50 प्रतिशत श्री E को आबंटित किया जाएगा और बाकी बची इकाईयां श्री C व श्रीमती D को आबंटित की जाएंगी। अब बताइये कि निम्नलिखित अधिनियमों में से कौन सा अधिनियम इस व्यवस्था को विनियमित करेगा ?</p> <ol style="list-style-type: none"> भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 सीमित दायित्व साझेदारी अधिनियम, 2008 भारतीय साझेदारी अधिनियम, 1932

	d) भारतीय संविदा अधिनियम, 1872
45.	<p>Mr N, Mr O, Mr P and Mr Q are partners in a partnership firm engaged in running a Medicine shop. In the Firm, Mr N's capital contribution is 70% and as per the Partnership deed he is entitled to 70% of the profit. To diversify the business of the Firm, Mr N proposed that the Firm may start the business of real estate. Considering uncertainty in availability of land and due to lack of experience in such trade, the other partners vehemently opposed to the idea. Mr N having majority contribution of capital in the firm and being entitled to 70% of the profit of the Firm, ignores such objection and decided to go ahead with such new venture in the name of the Firm. Please state whether his action is permissible or not.</p> <p>a) Permissible as per the Indian Partnership Act as Mr N is the major capital contributor</p> <p>b) Permissible in the Act subject to investment in such new venture restricted to the capital invested by Mr N</p> <p>c) Not permissible in the Act</p> <p>d) Permissible subject to the fact that the other Partners cannot be made liable for the said new venture</p> <p>श्री N, श्री O, श्री P और श्री Q, एक साझेदारी फर्म में साझेदार हैं और एक दवाईयों की दुकान चलाते हैं। फर्म में श्री N का पूंजी योगदान 70 प्रतिशत है और साझेदारी विलेख के अनुसार वह लाभ का 70 प्रतिशत पाने का हकदार हैं। फर्म के व्यापार की विविधता बढ़ाने के लिए श्री N ने रियल एस्टेट का व्यवसाय प्रारंभ करने का प्रस्ताव दिया। भूमि की उपलब्धता में अनिश्चितता तथा ऐसे व्यवसाय में अनुभव की कमी पर विचार करते हुए अन्य साझेदारों ने प्रबलता से इस विचार का विरोध किया। क्योंकि श्री N का फर्म की पूंजी के योगदान में बड़ा भाग है और वह फर्म के लाभ का 70 प्रतिशत पाने के हकदार है, इसलिए वह इस विरोध को अनदेखा कर देते हैं और निर्णय ले लेते हैं कि वह फर्म के नाम पर नया उद्यम प्रारंभ करेंगे। कृपया बताइये कि क्या उनका (श्री N का) यह कदम अनुज्ञेय है या नहीं।</p> <p>a) भारतीय साझेदारी अधिनियम के अनुसार अनुज्ञेय है क्योंकि श्री N मुख्य पूंजी योगदायी है।</p> <p>b) अधिनियम में अनुज्ञेय है, बशर्ते कि ऐसे नये उद्यम में निवेश की गई पूंजी श्री 'N' द्वारा ही निवेश की जा रही हो।</p> <p>c) अधिनियम में अनुज्ञेय नहीं है।</p> <p>d) इस तथ्य के अध्यधीन अनुज्ञेय है कि अन्य साझेदारों को उस नये उद्यम के लिए उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता।</p>
46.	<p>As decided by the Partners of a firm, the widow of a deceased partner is given an annuity from the profits of the firm and such payment was included in the partnership deed by an amendment. Now state which of the options is correct?</p> <p>a) By virtue of the amendment made in the partnership deed it will be deemed</p>

	<p>that the widow also becomes a partner in the firm</p> <p>b) Receipt of annuity as share of profit does not confer any right as a partner in the firm and thus the widow is not a partner in the firm</p> <p>c) After the death of the partner his widow automatically becomes a partner in the firm</p> <p>d) Payment of annuity to the widow of a deceased partner is not permissible in the Act</p> <p>किसी फर्म के साझेदारों के निर्णयानुसार, मृत साझेदार की पत्नी को फर्म के लाभ में से वार्षिकी दी जाती है और ऐसे भुगतान को साझेदारी विलेख में संशोधन करके सम्मिलित किया गया। अब बताइये की कौन सा विकल्प सही है ?</p> <p>a) साझेदारी विलेख में किए संशोधन के आधार पर यह माना जाएगा कि विधवा भी फर्म में साझेदार बन गई है।</p> <p>b) लाभांश के रूप में वार्षिकी की प्राप्ति, फर्म में साझेदारी का कोई अधिकार नहीं देती है और इस प्रकार विधवा फर्म में साझेदार नहीं है।</p> <p>c) साझेदार की मृत्यु के उपरांत उसकी विधवा स्वतः ही फर्म में साझेदार बन जाती है।</p> <p>d) मृतक साझेदार की विधवा को वार्षिकी का भुगतान अधिनियम में अनुज्ञेय नहीं है।</p>
47.	<p>In case of a partnership engaged in one business starts a new adventure, the share of profit of the partners from each of the businesses (if no specific agreement exists)</p> <p>a) Remains the same</p> <p>b) Will vary as per investment of capital employed by each of the partner in different businesses</p> <p>c) Will vary as per the actual time devoted by each of the partners in each of such business</p> <p>d) Will remain the same but remuneration paid to partners will vary as per actual time devoted by the partners in different businesses</p> <p>यदि कोई साझेदारी किसी एक व्यवसाय को करती है और एक नया उद्यम प्रारंभ करती है तो प्रत्येक व्यापार से साझेदारी का लाभ में अंश; (यदि कोई विशिष्ट समझौता नहीं है)</p> <p>a) समान रहता है।</p> <p>b) अलग-अलग व्यापारों के प्रत्येक साझेदार द्वारा निवेश की गई पूंजी के अनुसार परिवर्तित होगा।</p> <p>c) प्रत्येक साझेदार द्वारा ऐसे प्रत्येक व्यापार में दिए गए उनके वास्तविक समयानुसार परिवर्तित होगा।</p> <p>d) समान रहेगा लेकिन साझेदारों को दिया जाने वाला वेतन अलग-अलग व्यापारों में साझेदारों द्वारा दिए गए उनके वास्तविक समयानुसार परिवर्तित होगा।</p>
48.	<p>M/s PQR is a Firm engaged in manufacturing of TMT Bars. There was a dispute</p>

	<p>regarding supply of coal as raw material which was supplied by Mr G who was brother in law of one of the Partners of the Firm Mr P. The Firm filed a lawsuit against Mr. G. However, on insistence from the wife Mr P wrote to the Judge that the Firm is withdrawing the lawsuit without consulting the other partners. His action is</p> <ol style="list-style-type: none"> Permissible as per sec 18 of the Indian Partnership Act Not permissible as per sec 19 of the Indian Partnership Act Permissible as per sec 21 of the Indian Partnership Act Permissible as per sec 22 of the Indian Partnership Act <p>मैसर्स PQR एक फर्म है जो TMT सरिया का निर्माण कार्य करती है। श्री G द्वारा कच्चे माल स्वरूप आपूर्ति किये गये कोयले के संबंध में एक विवाद उत्पन्न हुआ। श्री G फर्म के एक साझेदार, श्री P के बहनोई हैं। उस फर्म ने श्री G के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर दिया। परन्तु पत्नी द्वारा जोर दिए जाने पर, श्री P ने न्यायाधीश को पत्र लिखा कि अन्य साझेदारों के साथ विचार-विमर्श किए बिना फर्म अपना मुकदमा वापस ले रही है। उनका (श्री P का) यह कदम:</p> <ol style="list-style-type: none"> भारतीय साझेदारी अधिनियम की धारा 18 के अनुसार अनुज्ञेय है। भारतीय साझेदारी अधिनियम की धारा 19 के अनुसार अनुज्ञेय नहीं है। भारतीय साझेदारी अधिनियम की धारा 21 के अनुसार अनुज्ञेय है। भारतीय साझेदारी अधिनियम की धारा 22 के अनुसार अनुज्ञेय है।
49.	<p>M/s ABC raised an unsecured loan from Mr. T and such loan amount was deposited in the bank account of the Firm. Now one of the Partners being signatory of the bank account withdrew a part of sum and invested in shares in his own name. After some months, the shares were sold by him at a huge loss but the proceeds were re-deposited by the partner in the bank account of the Firm. At the end of the loan period Mr.T asked for the repayment and the other partners of the Firm replied to him that since the loan was utilized by only one partner, it will be repaid only by that partner. Mr.T aggrieved by such reply decided to file a suit against the Firm. Mr.T has to file such suit.....</p> <ol style="list-style-type: none"> Against the partner as such partner acted as an agent of the Firm as per sec 18 of the Indian Partnership Act Against the partner as sec 20 of the Indian Partnership Act says an act by a partner on behalf of the firm which falls within his implied authority binds the firm Against the partners as sec 25 of the Indian Partnership Act says every partner is liable jointly with all other partners for all acts of the firm Against the Firm as per sec 27 of the Indian Partnership Act <p>मैसर्स ABC ने श्री T से एक अप्रतिभूत लोन लिया और लोन राशि</p>

	<p>को फर्म के बैंक खाते में जमा करवा दिया। अब उनमें से एक साझेदार ने, बैंक खाते का हस्ताक्षरकर्ता होने के चलते, उस राशि का कुछ हिस्सा बैंक से निकाल लिया और अपने खुद के नाम पर शेयर में निवेश कर दिया। कुछ महीनों के बाद, उन शेयरों को एक बड़े नुकसान पर बेच दिया, परन्तु प्राप्त राशि को उस साझेदार द्वारा फर्म के बैंक खाते में जमा करवा दिया गया। लोन अवधि के समाप्त होने पर श्री T ने लोन चुकाने के लिए कहा लेकिन फर्म के अन्य साझेदारों ने मना करते हुए कहा कि चूंकि लोन का प्रयोग सिर्फ एक साझेदार द्वारा किया गया इसलिए इसका भुगतान भी सिर्फ उसी साझेदार द्वारा किया जाएगा। श्री T ने इस बात से क्षुब्ध होकर फर्म के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करने का निर्णय ले लिया। श्री T को यह मुकदमा:</p> <ol style="list-style-type: none"> भारतीय साझेदारी अधिनियम की धारा 18 के अनुसार उस एक साझेदार के विरुद्ध दर्ज करना होगा, क्योंकि उस साझेदार ने फर्म के एजेंट के रूप में कार्य किया। उस साझेदार के विरुद्ध दर्ज करना होगा, क्योंकि भारतीय साझेदारी अधिनियम की धारा 20 कहती है कि किसी साझेदार द्वारा किया गया ऐसा कार्य जो उसको आधिकारिक क्षेत्र में आता है, वह फर्म को बाध्य करता है। साझेदारों के विरुद्ध दर्ज करना होगा, क्योंकि भारतीय साझेदारी अधिनियम की धारा 25 कहती है कि फर्म के सभी कार्यों के लिए प्रत्येक साझेदार संयुक्त रूप से अन्य साझेदारों के साथ उत्तरदायी है। भारतीय साझेदारी अधिनियम की धारा 27 के अनुसार फर्म के विरुद्ध दर्ज करना होगा
50.	<p>Mr J, a partner in a Firm died and as per his will his interest in the Firm was transferred to his son. A supplier of the Firm instituted a case in a court of law regarding nonpayment of price against goods supplied after the death of Mr J. State whether the Supplier can prosecute the son of Mr J along with other partners in the Firm.</p> <ol style="list-style-type: none"> Yes, as the son of Mr J has automatically become a partner after death of Mr J as per the Will The son of Mr J will have immunity against such prosecution as the event of non-payment occurred after the death of Mr J The son of Mr J cannot be prosecuted against as he is not a Partner of the Firm <p>Options:</p> <ol style="list-style-type: none"> Only (1) is correct Only (2) is correct Both (2) and (3) are correct Only (3) is correct <p>एक फर्म साझेदार, श्री J का निधन हो गया और उनकी वसीयत के अनुसार फर्म में उनकी हिस्सेदारी उनके पुत्र को अंतरित कर दी गई। श्री J की मृत्यु के बाद, संभरण किए गए माल के दाम का भुगतान</p>

	<p>न होने के विरुद्ध एक संभरक ने न्यायालय में मुकदमा दर्ज कर दिया। बताइये कि क्या संभरक फर्म में अन्य साझेदारों के साथ श्री J के पुत्र पर भी मुकदमा चला सकता है ?</p> <ol style="list-style-type: none"> 1) हाँ, क्योंकि श्री J की वसीयत के अनुसार उनकी मृत्यु के बाद उनका पुत्र स्वतः ही फर्म में साझेदार बन गया है। 2) श्री J के पुत्र ऐसे किसी मुकदमे से मुक्त रहेंगे क्योंकि भुगतान ना करने की घटना श्री J की मृत्यु के बाद घटित हुई। 3) श्री J पर मुकदमा नहीं चलाया जा सकता क्योंकि वह इस फर्म में साझेदार नहीं हैं। <p>विकल्प:</p> <ol style="list-style-type: none"> a) केवल (1) सही है। b) केवल (2) सही है। c) (2) व (3) दोनों सही हैं। d) केवल (3) सही है।
51.	<p>A firm will get compulsorily dissolved if</p> <ol style="list-style-type: none"> 1) Any one of the partners is adjudicated insolvent 2) All Partners are adjudicated as insolvent 3) All except one of the partners are adjudicated as insolvent <p>Options:</p> <ol style="list-style-type: none"> a) Only (1) is correct b) Only (2) is correct c) Only (3) is correct d) Both (2) and (3) are correct <p>एक फर्म अनिवार्य रूप से भंग हो जाएगी यदि-</p> <ol style="list-style-type: none"> 1) किसी एक हिस्सेदार को दिवालिया घोषित कर दिया जाता है 2) सभी हिस्सेदारों को दिवालिया घोषित कर दिया जाता है 3) एक के अलावा सभी हिस्सेदारों को दिवालिया घोषित कर दिया जाता है <p>विकल्प</p> <ol style="list-style-type: none"> a) केवल (1) सही है b) केवल (2) सही है c) केवल (3) सही है d) (2) और (3) दोनों सही हैं
52.	<p>Under what circumstances a partner of a firm can use the Trade name of the firm for his individual business?</p> <ol style="list-style-type: none"> 1) After dissolution of the firm if the business of the firm is taken over by the partner 2) After dissolution of the Firm if goodwill of the Firm is bought by the partner 3) Anytime, if the partner makes adequate compensation to the other partners 4) Anytime if majority of the Partners allows him in writing to do so State whethe

	<p>Choose the correct option:-</p> <ol style="list-style-type: none"> Only (1) is true Both (1) and (2) are true Only (3) is true Both (3) and (4) are true <p>किन परिस्थितियों में किसी फर्म का एक हिस्सेदार अपने व्यक्तिगत व्यवसाय के लिए फर्म के ट्रेड नाम का प्रयोग कर सकता है ?</p> <ol style="list-style-type: none"> फर्म के भंग होने के बाद यदि फर्म का व्यापार, हिस्सेदार के द्वारा अपने अधीन कर लिया जाता है। फर्म के भंग होने के बाद यदि फर्म की साख, हिस्सेदार द्वारा खरीद ली जाती है। किसी भी समय, यदि हिस्सेदार अन्य हिस्सेदारों को पर्याप्त मुआवजा दे देता है। किसी भी समय, यदि हिस्सेदारों का बहुमत उसे लिखित में ऐसा करने की अनुमति दे देता है। <p>सही विकल्प चुने:-</p> <ol style="list-style-type: none"> केवल (1) सही है। (1) और (2) दोनों सही हैं। केवल (3) सही है। (3) और (4) दोनों सही हैं
53.	<p>Mr Gupta, had been a regular supplier of goods to a Firm named M/s ABC against a personal Guarantee issued by Mr A who was one of the Partners. Now, during FY 2023-24, Mr C, another partner retired from the partnership and Mr X was admitted in his place. Can Mr Gupta sue Mr A if the Firm fails to pay against the supplies made to the Firm during FY 2024-25?</p> <ol style="list-style-type: none"> Yes, he can sue Mr A Yes, he can sue Mr A only if he also makes the Firm as a party No he cannot sue Mr A as the constitution of the Firm has changed None of the above <p>श्री गुप्ता मैसर्स ABC नामक फर्म को सामान का एक नियमित सप्लायर है जिसे श्री A नामक एक हिस्सेदार ने व्यक्तिगत गारंटी जारी की हुई है। अब वित्त वर्ष 2023-24 में श्री C, अन्य हिस्सेदार, हिस्सेदारी से रिटायर हो जाता है और उसकी जगह श्री X आ जाता है। यदि फर्म वित्त वर्ष 2024-25 में की गई आपूर्ति के लिये भुगतान करने में विफल हो जाती है तो क्या श्री गुप्ता, श्री A पर मुकदमा कर सकता है ?</p> <ol style="list-style-type: none"> हाँ, वह श्री A पर मुकदमा कर सकता है। हाँ, वह श्री A पर केवल तभी मुकदमा कर सकता है जब वह फर्म को भी एक पार्टी बनाए। नहीं, वह श्री A पर मुकदमा नहीं कर सकता क्योंकि फर्म का गठन बदल गया है।

	d) उपर्युक्त में से कोई नहीं
54.	<p>What would be the position, where a minor elects not to become a partner and issues public notice to such effect:</p> <p>a) He shall be entitled to sue the partners for his share of the property and profits.</p> <p>b) His rights and liabilities shall continue to be those of a minor up to the date on which he gives public notice.</p> <p>c) His share shall not be liable for any acts of the firm done after the date of the notice.</p> <p>d) All of the above</p> <p>स्थिति क्या होगी, कि जब एक नाबालिग, हिस्सेदार न बनने का चुनाव करता है और इस बाबत एक पब्लिक नोटिस जारी कर देता है ?</p> <p>a) वह प्रॉपर्टी और लाभ में अपने हिस्से के लिए हिस्सेदारों पर मुकदमा करने का हकदार है।</p> <p>b) उसके अधिकार और दायित्व उसके नोटिस जारी करने की तारीख तक, एक नाबालिग के ही रहेंगे।</p> <p>c) नोटिस की तारीख के बाद उसका भाग कंपनी के किसी कार्य के भागी नहीं होगा।</p> <p>d) उपर्युक्त सभी</p>
55.	<p>Under what circumstances can an unregistered partnership firm sue another party in court?</p> <p>a) For enforcing contracts made with third parties only if they involve immovable property rights.</p> <p>b) For recovering debts owed to the firm from third parties without restrictions.</p> <p>c) For enforcing rights against partners internally within the firm itself.</p> <p>d) None of the above</p> <p>किन हालात में एक अपंजीकृत हिस्सेदारी अन्य पार्टी पर मुकदमा कर सकती है ?</p> <p>a) अन्य पार्टी के साथ की गई संविदाओं के प्रवर्तन के लिए, यदि वे अहस्तांतरणीय प्रॉपर्टी से संबंधित हों।</p> <p>b) फर्म को अन्य पार्टी से, ऋण की बिना किसी बाधा के वसूली के लिए।</p> <p>c) आंतरिक रूप से फर्म के अंदर हिस्सेदारों के विरुद्ध अधिकारों के प्रवर्तन के लिए।</p> <p>d) उपरोक्त में से कोई नहीं।</p>
56.	<p>Which of the following are false?</p> <p>1. Partners are not bound to carry on the business of the firm to the greatest</p>

	<p>common advantage</p> <ol style="list-style-type: none"> Where a partner is entitled to interest on capital subscribed by him, such interest shall be payable whether or not there are profits An outgoing partner has a right to claim a share in the profits of the firm till his account is finally settled A partner may be expelled from the firm only with the consent of all other partners <p>Choose the correct option given below:</p> <p>a) 1, 2, 4 only</p> <p>b) 1, 3, 4 only</p> <p>c) 2, 4, 3 only</p> <p>d) 3, 4 only</p> <p>निम्नलिखित में से क्या गलत हैं ?</p> <ol style="list-style-type: none"> हिस्सेदार फर्म के व्यापार को अधिकतम सामान्य लाभ तक ले जाने के लिए बाध्य नहीं हैं। जब एक हिस्सेदार उसके द्वारा अभिदत्त पूँजी पर ब्याज का हकदार है, तो यह ब्याज देय होगा चाहे लाभ हो या नहीं। एक निर्गामी हिस्सेदार को यह अधिकार है कि वह फर्म के लाभ में से अपने हिस्से का दावा करे जब तक उसके खाते का अंतिम रूप से निपटान नहीं हो जाता। एक हिस्सेदार को केवल अन्य सभी हिस्सेदारों की सहमति से ही फर्म से निष्कासित किया जा सकता है। <p>नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन करें-</p> <p>a) केवल 1, 2, 4</p> <p>b) केवल 1, 3, 4</p> <p>c) केवल 2, 4, 3</p> <p>d) केवल 3, 4</p>
57.	<p>A partnership firm consisting of partners A, B, and C is dissolved. After dissolution, A enters into a contract on behalf of the firm to supply goods to a third party, without the consent of B and C. Meanwhile, B and C begin settling the firm's outstanding liabilities and completing unfinished transactions. Considering Sections 46 and 47 of the Indian Partnership Act, 1932, which of the following statements is correct?</p> <ol style="list-style-type: none"> A's contract is binding on the firm and all partners because each partner retains full authority to bind the firm until all affairs are wound up. A's contract is binding on the firm only if it is necessary for winding up the firm's affairs or completing unfinished transactions; otherwise, A exceeds authority. B and C cannot settle liabilities or complete unfinished transactions without

	<p>unanimous consent of all partners, including A.</p> <p>d) After dissolution, no partner has authority to bind the firm or other partners, and all contracts require a fresh agreement.</p> <p>एक साझेदारी फर्म जिसके A, B और C साझेदार हैं, विघटित हो जाती है। विघटन के बाद A फर्म के नाम से एक अन्य पार्टी को माल की सप्लाई की संविदा में B और C की सहमति के बिना शामिल हो जाता है। जबकि B और C फर्म की बकाया देनदारियों और असमाप्त लेन-देन को पूर्ण करने में लग जाते हैं। भारतीय साझेदारी अधिनियम, 1932 की धारा 46 और 47 को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है ?</p> <p>a) A की संविदा फर्म पर और सभी हिस्सेदार पर बाध्यकारी है, क्योंकि प्रत्येक हिस्सेदार फर्म की बाध्यता का पूर्ण प्राधिकार रखता है जब तक कि सभी मामलों का निपटान नहीं कर लिया जाता।</p> <p>b) A की संविदा फर्म पर केवल तभी बाध्यकारी है, यदि फर्म के मामले खत्म होने के लिए या जारी लेन-देन पूर्ण करने के लिए यह जरूरी है, अन्यथा A अपने प्राधिकार का अतिक्रमण कर रहा है।</p> <p>c) सभी हिस्सेदारों, जिसमें A भी शामिल है, की सर्वसम्मति के बिना B और C देनदारियों का निपटान नहीं कर सकते या अधूरे लेन-देन को पूर्ण नहीं कर सकते।</p> <p>d) विघटन के बाद किसी हिस्सेदार को प्राधिकार नहीं है कि वह फर्म या अन्य हिस्सेदारों को बाध्य करे और सभी संविदाओं के लिए नए समझौते होने चाहिए।</p>
58.	<p>A partnership firm had a plot of land purchased to set up a manufacturing unit. Later on the proposal was shelved and the land was sold. One of the partners received a lump-sum from the buyers as brokerage as he was instrumental in locating the buyer. Now state how the brokerage should be account for ?</p> <p>a) He had a right to receive such brokerage and may retain such brokerage</p> <p>b) He has to account for that brokerage and pay it to the Firm</p> <p>c) He will lose to be a partner in the Firm</p> <p>d) He has to share the brokerage received by him in the same proportion to the other partners as per the ratio of share of profit</p> <p>एक साझेदारी फर्म के पास एक भू-भाग है जो विनिर्माण इकाई बनाने के लिए खरीदा गया। बाद में प्रस्ताव हटा दिया गया और भूमि को बेच दिया गया। एक हिस्सेदार को दलाली के रूप में खरीदार से एकमुश्त राशि मिली, क्योंकि वह खरीदार खोजने में सहायक था। अब बताएं कि दलाली का हिसाब कैसे रखा जाना चाहिए ?</p> <p>a) उसे इस प्रकार की दलाली लेने का अधिकार था और उसे इस प्रकार की दलाली रखनी चाहिए।</p>

	<p>b) उसे इस दलाली का लेखा रखना चाहिए और इसे फर्म को अदा करना चाहिए।</p> <p>c) वह फर्म में अपनी हिस्सेदारी खो देगा।</p> <p>d) उसे प्राप्त हुई दलाली को, लाभ के हिस्से के अनुपात के हिसाब से अन्य हिस्सेदारों को बांटना होगा।</p>
59.	<p>What is the rate of interest permissible in Indian Partnership Act on any Advance made by a partner beyond the amount of capital he has agreed to subscribe?</p> <p>a) Six percent per anum</p> <p>b) As may be mutually decided by the partners</p> <p>c) SBI Prime rate of lending</p> <p>d) As per prevailing market rate for unsecured loans</p> <p>भारतीय भागीदारी अधिनियम में, पूँजी की वह राशि जिसे जमा करने के लिए एक हिस्सेदार सहमत हुआ था; के अलावा उसके द्वारा दिए गए अग्रिम के लिये अनुमत ब्याज दर क्या है ?</p> <p>a) 6 प्रतिशत प्रतिवर्ष</p> <p>b) जैसा हिस्सेदारों ने आपस में तय किया हो</p> <p>c) SBI की प्राईम उधारी दर</p> <p>d) असुरक्षित ऋणों के लिए प्रचलित बाजार दर के अनुसार</p>
60.	<p>What is the effect of non-service of summons under Order V of the Civil Procedure Code, 1908?</p> <p>a) The suit is automatically dismissed</p> <p>b) The defendant is deemed to have been served</p> <p>c) The plaintiff must apply for re-issue of summons</p> <p>d) The court may proceed ex-prate against the defendant</p> <p>सिविल प्रोसिजर कोड, 1908 के आदेश V के तहत समन की गैर-तामीली का क्या प्रभाव होता है ?</p> <p>a) मुकदमा स्वतः खारिज हो जाता है।</p> <p>b) प्रतिवादी को समन भेजा हुआ मान लिया जाता है।</p> <p>c) वादी को समन फिर से जारी करने के लिए आवेदन करना चाहिए।</p> <p>d) न्यायालय प्रतिवादी के खिलाफ एकतरफा फैसला ले सकता है।</p>
61.	<p>Which of the following is incorrect:</p> <p>(i) A summons can only be issued by the court once the defendant has filed a written statement.</p> <p>(ii) The court may dismiss a suit if the summons is not served on the defendant within 30 days from the date of its issuance.</p> <p>(iii) A summons can be served on the defendant either personally or by</p>

	<p>leaving it with an adult member of the defendant's family. Choose the correct option from below:-</p> <p>a) Only (i) and (ii) are incorrect b) Only (i) and (iii) are incorrect c) Only (ii) and (iii) are incorrect d) All are incorrect</p> <p>निम्नलिखित में से कौन सा गलत है-</p> <p>i) एक समन कोर्ट द्वारा केवल तभी जारी किया जा सकता है जब प्रतिवादी ने लिखित बयान दिए हों ii) कोर्ट किसी केस को खारिज कर सकता है, यदि जारी होने से 30 दिनों के भीतर प्रतिवादी को सम्मन ना तामिल हुए हों। iii) सम्मन प्रतिवादी को व्यक्तिगत रूप से या प्रतिवादी के परिवार के किसी व्यस्क सदस्य को सौंपा जा सकता है।</p> <p>नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनें:-</p> <p>a) केवल (i) व (ii) असत्य हैं। b) केवल (i) व (iii) असत्य हैं। c) केवल (ii) व (iii) असत्य हैं। d) सभी असत्य हैं।</p>
62.	<p>Under Rule, 1 Order XVI of the code of civil Procedure, 1908, the court shall appoint a date for presentation of list of witnesses by the parties, which shall not be later than after the date on which the issues are settled.</p> <p>a) 7 days b) 15 days c) 30 days d) 45 days</p> <p>सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के नियम 1 आदेश XVI के अंतर्गत न्यायालय पक्षकारों द्वारा गवाहों की सूची प्रस्तुत करने के लिए एक तिथि नियत करेगा, जो मुद्दों के निपटारे की तिथि के बाद की नहीं होगी।</p> <p>a) 7 दिन b) 15 दिन c) 30 दिन d) 45 दिन</p>
63.	<p>A garnishee order relates to:</p> <p>a) Arrest of debtor b) Attachment of salary c) Debts owed to the judgment-debtor by a third party</p>

	<p>d) Property owned jointly</p> <p>एक गारनिशी आदेश किससे संबंधित है:-</p> <p>a) देनदार की गिरफ्तारी</p> <p>b) वेतन की कुर्की</p> <p>c) तीसरे पक्ष द्वारा किसी निर्णीत-ऋणी को देय ऋण</p> <p>d) सम्मिलित संपत्ति</p>
64.	<p>What is the purpose of an affidavit under Order XIX of the Civil Procedure Code, 1908?</p> <p>a) To provide evidence in a suit</p> <p>b) To prove a fact in dispute</p> <p>c) To verify a pleading or petition</p> <p>d) All of the above</p> <p>सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के आदेश सं. XIX के तहत, एक हल्फनामे का उद्देश्य क्या है ?</p> <p>a) किसी केस में साक्ष्य प्रस्तुत करना।</p> <p>b) विवाद के दौरान कोई तथ्य साबित करना।</p> <p>c) कोई दलील या याचिका सत्यापित करना।</p> <p>d) उपर्युक्त सभी</p>
65.	<p>What is the effect of a false affidavit under Order XIX of the Civil Procedure Code, 1908?</p> <p>a) The court may reject the affidavit</p> <p>b) The court may hold the deponent in contempt</p> <p>c) The court may impose a fine on the deponent</p> <p>d) All of the above</p> <p>सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के आदेश सं. XIX के तहत फर्जी हल्फनामे का क्या परिणाम हो सकता है ?</p> <p>a) कोर्ट हल्फनामे को अस्वीकार कर सकता है</p> <p>b) कोर्ट अभिसाक्षी पर अवमानना आरोपित कर सकती है</p> <p>c) कोर्ट अभिसाक्षी पर जुर्माना लगा सकती है</p> <p>d) उपर्युक्त सभी</p>
66.	<p>Which of the following cannot be done solely through affidavit under Order XIX of the Civil Procedure Code, 1908?</p> <p>a) Proof of service</p> <p>b) Proof of formal facts</p> <p>c) Examination-in-chief in commercial suits</p> <p>d) Cross-examination</p>

	<p>सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के आदेश सं. XIX के तहत, निम्नलिखित में से क्या, केवल हल्फनामे के द्वारा नहीं किया जा सकता ?</p> <p>a) तामील का सबूत b) औपचारिक तथ्यों के सबूत c) व्यवसायिक मामलों में मुख्य परीक्षा d) प्रति परीक्षा</p>
67.	<p>What are the types of commissions that can be issued under Order XXVI of the Civil Procedure Code, 1908?</p> <p>a) Commission for examination of witnesses b) Commission for local investigation c) Commission for scientific investigation d) All of the above</p> <p>सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के आदेश सं. XXVI के अनुसार, किस प्रकार के कमीशन जारी किए जा सकते हैं ?</p> <p>a) गवाहों की जांच के लिए कमीशन b) स्थानीय जांच के लिए कमीशन c) वैज्ञानिक जांच के लिए कमीशन d) उपर्युक्त सभी</p>
68.	<p>When a review application is rejected, the order is:</p> <p>a) Not appealable b) Automatically reversed c) Treated as a new suit d) Referred to the Supreme Court</p> <p>जब किसी आवेदन के पुनर्वलोकन को खारिज किया जाता है, तो यह आदेश होता है ?</p> <p>a) अपील न कर सकने योग्य b) स्वतः प्रतिवर्तित c) नए केस की तरह समझा जाता है d) सर्वोच्च न्यायालय को संदर्भित कर दिया जाता है</p>
69.	<p>An executing court cannot determine the questions relating to which of the following ?</p> <p>a) Execution of decree b) Discharge of decree c) Satisfaction of decree d) Modification of decree.</p>

	<p>निष्पादन न्यायालय निम्नलिखित में से किससे संबंधित प्रश्नों का निर्धारण नहीं कर सकता है ?</p> <ul style="list-style-type: none"> a) डिक्री का निष्पादन b) डिक्री का निर्वहन c) डिक्री की संतुष्टि d) डिक्री में संशोधन
70.	<p>Under Rule 4, order XXVI of the Civil Procedure Code, 1908, any Court may issue a commission for examination on interrogatories or otherwise of</p> <ul style="list-style-type: none"> a) Any person resident beyond the local limits of its jurisdiction. b) Any person resident beyond the local limits before the date on which he is required to be examined in Court. c) Any person in the service of the Government who cannot, in the opinion of the Court, attend without detriment to the public service. d) All of the above. <p>सिविल प्रक्रिया कोड, 1908 के आदेश सं. XXVI में, नियम 4 के तहत, कोई न्यायालय की पूछताछ पर जांच या अन्यथा के लिए कमीशन जारी कर सकता है।</p> <ul style="list-style-type: none"> a) इसके न्याय क्षेत्र की क्षेत्रीय सीमा से बाहर रहने वाले किसी व्यक्ति b) जिस तिथि को कोर्ट में पेशी है उससे पहले, कोर्ट की क्षेत्रीय सीमा से बाहर रहने वाले किसी व्यक्ति c) ऐसा सरकारी कर्मचारी जो कोर्ट की नजर में, बिना लोकसेवा का अहित हुए, प्रस्तुत नहीं किया जा सकता। d) उपर्युक्त सभी
71.	<p>The Court may compel the attendance of any person to whom a Summons has been issued and for that purpose for what it is not empowered to?</p> <ul style="list-style-type: none"> a) Attach and sell his property b) Issue a warrant for his arrest c) Impose a fine upon him not exceeding five thousand rupees d) Send a Court officer to bring him by reasonable force. <p>न्यायालय किसी व्यक्ति को, जिसके लिए एक समन जारी कर दिया गया है, उपस्थित होने के लिए बाध्य कर सकता है और के लिए उसे क्या शक्ति प्राप्त नहीं है-</p> <ul style="list-style-type: none"> a) सम्पत्ति को कुर्क अथवा बेच सकना।

	<p>b) उसकी गिरफ्तारी के लिए अधिपत्य जारी करना।</p> <p>c) एक जुर्माना लगाना जो पाँच हजार रुपए से अधिक न हो।</p> <p>d) उसे बलपूर्वक लाने के लिए एक न्यायालय अधिकारी को भेजना।</p>
72.	<p>A defendant to whom a summons has been issued under rule 3 of CPC, may appear:</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. In person 2. By a pleader duly instructed and able to answer all material questions relating to the suit 3. By a pleader accompanied by some person able to answer all such question 4. As per the court instruction <p>Choose the correct option:</p> <ol style="list-style-type: none"> a) Only (1) & (2) b) Only (3) & (4) c) Only (4) d) All of the above. <p>एक प्रतिवादी, जिसके लिए CPC के नियम 3 के तहत एक समन जारी किया गया है, वह हाजिर हो सकता है:</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. वह स्वयं 2. एक विधि सम्मत वकील के द्वारा, जो वाद से संबंधित सभी तथ्यात्मक प्रश्नों के उत्तर देने में सक्षम हो। 3. एक वकील के साथ किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा जो सभी प्रश्नों के उत्तर देने में सक्षम हो। 4. कोर्ट के अनुदेशानुसार <p>सही विकल्प चुने:-</p> <ol style="list-style-type: none"> a) केवल (1) और (2) b) केवल (3) और (4) c) केवल (4) d) उपरोक्त सभी
73.	<p>Consider the following statement :</p> <ol style="list-style-type: none"> 1) Order XVI of Code of Civil Procedure 1908 Rule 1 deals with 'list of witness and summons to witness " 2) Order XVI of CPC 1908 Rule 1A deals with "production of witness without summons" 3) Order XVI of CPC 1908 Rule 2 deals with "expenses of witness to be paid into Court on applying for summons" 4) Order XVI of CPC Rule 3A deals with "Tender of expenses to witness." <p>Choose the correct option form below :-</p> <ol style="list-style-type: none"> a) Only Statement (1) is correct.

	<p>b) Only Statement (2) is correct.</p> <p>c) Only (1) (2) and (3) are correct.</p> <p>d) All statements are correct.</p> <p>निम्नलिखित कथन पर विचार करें:-</p> <ol style="list-style-type: none"> 1) सिविल प्रक्रिया संहिता 1908 के नियम 1 का आदेश XVI “गवाहों की सूची और गवाहों को समन” से ताल्लुक रखता है। 2) सिविल प्रक्रिया संहिता 1908 के नियम 1A का आदेश XVI “बिना समन के गवाहों की पेशी” से ताल्लुक रखता है। 3) सिविल प्रक्रिया संहिता 1908 के नियम 2 का आदेश XVI “न्यायालय में समन आवेदन करने पर गवाह के खर्च की अदायगी” से ताल्लुक रखता है। 4) सिविल प्रक्रिया संहिता नियम 3A का आदेश XVI “गवाह को खर्च की अदायगी” से ताल्लुक रखता है। <p>निम्न में से सही विकल्प चुनें:-</p> <ol style="list-style-type: none"> a) केवल कथन (1) सही है। b) केवल कथन (2) सही है। c) केवल कथन (1) (2) और (3) सही है। d) सभी कथन सही हैं।
74.	<p>As per information technology Act, 2000, Whoever knowingly or intentionally conceals, destroys or alters or intentionally or knowingly causes another to conceal, destroy or alter any computer source code used for a computer, computer programme, computer system or computer network, when the computer source code is required to be kept or maintained by law for the time being in force_____</p> <ol style="list-style-type: none"> a) Shall be punishable with imprisonment up to one year, or with fine which may extend up to two lakh rupees, or with both. b) Shall be punishable with imprisonment up to three years, or with fine which may extend up to two lakh rupees, or with both. c) Shall be punishable with imprisonment up to two year, or with fine which may extend up to one lakh rupees, or with both. d) Shall be punishable with imprisonment up to four years, or with fine which may extend up to two lakh rupees, or with both. <p>सूचना प्रद्योगिकी अधिनियम, 2000 के अनुसार, किसी के द्वारा जान बूझकर या इरादतन कम्प्यूटर, कम्प्यूटर प्रोग्राम, कम्प्यूटर सिस्टम या कम्प्यूटर नेटवर्क में प्रयोग होने वाले कम्प्यूटर सोर्स कोड को छिपाना, नष्ट करना या काट-छांट करना या किसी दूसरे से ऐसा करवाना जबकि इस कम्प्यूटर सोर्स कोड को रखना आवश्यक हो या कानून के द्वारा कुछ समय के लिए रख-रखाव किया जाना अपेक्षित हो तो_____</p>

	<p>a) एक वर्ष तक के कारावास का दंड या जुर्माना जो दो लाख रुपये तक हो सकता है अथवा दोनों।</p> <p>b) तीन वर्ष तक के कारावास का दंड या जुर्माना जो दो लाख रुपये तक हो सकता है अथवा दोनों।</p> <p>c) दो वर्ष तक के कारावास का दंड या जुर्माना जो एक लाख रुपये तक हो सकता है अथवा दोनों।</p> <p>d) चार वर्ष तक के कारावास का दंड या जुर्माना जो दो लाख रुपये तक हो सकता है अथवा दोनों।</p>
75.	<p>In The Information Technology Act, 2000, "licence" means:</p> <p>a) A licence granted to a Certifying Authority under section 46;</p> <p>b) A licence granted to a Certifying Authority under section 24;</p> <p>c) A licence granted to a Certifying Authority under section 42;</p> <p>d) A licence granted to a Certifying Authority under section 64;</p> <p>सूचना प्रद्योगिकी अधिनियम, 2000 में उल्लिखित “अनुज्ञप्ति” का मतलब है—</p> <p>a) धारा 46 के अंतर्गत प्रमाणकर्ता प्राधिकारी को दी जाने वाली अनुज्ञप्ति</p> <p>b) धारा 24 के अंतर्गत प्रमाणकर्ता प्राधिकारी को दी जाने वाली अनुज्ञप्ति</p> <p>c) धारा 42 के अंतर्गत प्रमाणकर्ता प्राधिकारी को दी जाने वाली अनुज्ञप्ति</p> <p>d) धारा 64 के अंतर्गत प्रमाणकर्ता प्राधिकारी को दी जाने वाली अनुज्ञप्ति</p>
76.	<p>The Information Technology Act, 2000 shall come into force on:</p> <p>a) Such date as the Central Government may, by notification, appoint and different dates may be appointed for different provisions of this Act and any reference in any such provision to the commencement of this Act shall not be construed as a reference to the commencement of that provision.</p> <p>b) Such date as the State Government may, by notification, appoint and different dates may be appointed for different provisions of this Act and any reference in any such provision to the commencement of this Act shall be construed as a reference to the commencement of that provision.</p> <p>c) Such date as the Central Government may, by notification, appoint and different dates may be appointed for different provisions of this Act and any reference in any such provision to the commencement of this Act shall be construed as a reference to the commencement of that provision.</p> <p>d) Such date as the state Government may, by notification, appoint and different dates may be appointed for different provisions of this Act and any reference in any such provision to the commencement of this Act shall not be construed as a reference to the commencement of that provision.</p>

	<p>सूचना प्रद्योगिकी अधिनियम, 2000 प्रवृत्त होगा-</p> <p>a) उस तारीख से, जो केन्द्रीय सरकार, अधिसूचना द्वारा नियत करे और इस अधिनियम के भिन्न-भिन्न प्रावधानों के लिए भिन्न-भिन्न तारीखें नियत की जा सकेंगी और किसी ऐसे प्रावधान में इस अधिनियम के प्रारंभ के प्रति किसी निर्देश का यह अर्थ नहीं लगाया जाएगा कि वह उस प्रावधान के प्रारंभ के प्रति निर्देश है।</p> <p>b) उस तारीख से, जो राज्य सरकार, अधिसूचना द्वारा नियत करे और इस अधिनियम के भिन्न-भिन्न प्रावधानों के लिए भिन्न-भिन्न तारीखें नियत की जा सकेंगी और किसी ऐसे प्रावधान में इस अधिनियम के प्रारंभ के प्रति किसी निर्देश का यह अर्थ लगाया जाएगा कि वह उस प्रावधान के प्रारंभ के प्रति निर्देश है।</p> <p>c) उस तारीख से, जो केन्द्रीय सरकार, अधिसूचना द्वारा नियत करे और इस अधिनियम के भिन्न-भिन्न प्रावधानों के लिए भिन्न-भिन्न तारीखें नियत की जा सकेंगी और किसी ऐसे प्रावधान में इस अधिनियम के प्रारंभ के प्रति किसी निर्देश का यह अर्थ लगाया जाएगा कि वह उस प्रावधान के प्रारंभ के प्रति निर्देश है।</p> <p>d) उस तारीख से, जो राज्य सरकार, अधिसूचना द्वारा नियत करे और इस अधिनियम के भिन्न-भिन्न प्रावधानों के लिए भिन्न-भिन्न तारीखें नियत की जा सकेंगी और किसी ऐसे प्रावधान में इस अधिनियम के प्रारंभ के प्रति किसी निर्देश का यह अर्थ नहीं लगाया जाएगा कि वह उस प्रावधान के प्रारंभ के प्रति निर्देश है।</p>
77.	<p>Which of the following statement(s) is/are correct, as per Information Technology act, 2000 :</p> <p>(i) Any person by the use of a public key of the subscriber can verify the electronic record.</p> <p>(ii) The private key and the public key are unique to the subscriber and constitute a functioning key pair.</p> <p>(iii) Any person by the use of a public key of the subscriber cannot verify the electronic record.</p> <p>Choose the correct option:-</p> <p>a) Statement (i) and (iii) are correct.</p> <p>b) Statement (ii) and (iii) are correct.</p> <p>c) Statement (i) and (ii) are correct.</p> <p>d) Only Statement (iii) is correct.</p> <p>निम्नलिखित में से कौन सा/से कथन, सूचना प्रद्योगिकी अधिनियम 2000 के अनुसार सही है:</p> <p>(i) अभिदाता की सार्वजनिक कुंजी का प्रयोग करके कोई भी</p>

	<p>व्यक्ति इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड सत्यापित कर सकता है।</p> <p>(ii) अभिदाता की निजी कुंजी और सार्वजनिक कुंजी अद्वितीय होती है और कुंजी के एक जोड़े के रूप में कार्य करती हैं।</p> <p>(iii) कोई भी व्यक्ति अभिदाता की सार्वजनिक कुंजी का प्रयोग करके इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड सत्यापित नहीं कर सकता।</p> <p>सही विकल्प चुनें:-</p> <p>a) कथन (i) और (iii) सही हैं।</p> <p>b) कथन (ii) और (iii) सही हैं।</p> <p>c) कथन (i) और (ii) सही हैं।</p> <p>d) केवल कथन (iii) सही है।</p>
78.	<p>As per information technology Act, 2000, Where any law provides that information or any other matter shall be in writing or in the typewritten or printed form, then, notwithstanding anything contained in such law, such requirement shall be deemed to have been satisfied if such information or matter is:</p> <p>(i) Rendered or made available in an electronic form</p> <p>(ii) Not accessible so as to be not usable for a subsequent reference.</p> <p>(iii) Accessible so as to be usable for a subsequent reference.</p> <p>(iv) Rendered or made no available in manual form.</p> <p>Choose the correct option:-</p> <p>a) Statement (i) and (iii) are correct.</p> <p>b) Statement (ii) and (iii) are correct.</p> <p>c) Statement (i) and (ii) are correct.</p> <p>d) Only Statement (iv) is correct.</p> <p>सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 के अनुसार जहाँ कोई कानून यह कहता है कि सूचना या कोई अन्य विषय लिखित या टंकित अथवा मुद्रित रूप में होना चाहिए तब इस कानून में किसी बात के होते हुए भी, ऐसी आवश्यकता का संतुष्ट हुआ माना जाएगा यदि, यह सूचना अथवा विषय:</p> <p>(i) इलेक्ट्रॉनिक रूप में उपलब्ध या प्रदत्त करवाया जाता है।</p> <p>(ii) उपलब्ध न हो, जिससे कि उत्तरवर्ती संदर्भ के लिए प्रयुक्त न किया जा सके</p> <p>(iii) उत्तरवर्ती संदर्भ के लिए प्रयुक्त होने के लिए उपलब्ध हो।</p> <p>(iv) भौतिक रूप में अनुपलब्ध अथवा प्रदत्त</p> <p>सही विकल्प चुनें:-</p> <p>a) कथन (i) और (iii) सही हैं।</p> <p>b) कथन (ii) और (iii) सही हैं।</p> <p>c) कथन (i) और (ii) सही हैं।</p> <p>d) केवल कथन (iv) सही है।</p>

79.	<p>Which of the following statements is correct, as per Information Technology Act, 2010 :</p> <ul style="list-style-type: none"> a) Sections 5, 11 and 13 not to confer right to insist document should be accepted in electronic form. b) Sections 10, 11 and 12 not to confer right to insist document should be accepted in electronic form. c) Sections 3, 4 and 5 not to confer right to insist document should be accepted in electronic form. d) Sections 6, 7 and 8 not to confer right to insist document should be accepted in electronic form. <p>सूचना प्रद्योगिकी अधिनियम, 2010 के अनुसार कौन सा कथन सही है-</p> <ul style="list-style-type: none"> a) धारा 5, 11 और 13 इस बात पर जोर देने का अधिकार प्रदान नहीं करती कि दस्तावेज इलेक्ट्रॉनिक रूप में स्वीकार किए जाएं b) धारा 10, 11 और 12 इस बात पर जोर देने का अधिकार प्रदान नहीं करती कि दस्तावेज इलेक्ट्रॉनिक रूप में स्वीकार किए जाएं c) धारा 3, 4 और 5 इस बात पर जोर देने का अधिकार नहीं प्रदान करती कि दस्तावेज इलेक्ट्रॉनिक रूप में स्वीकार किए जाएं d) धारा 6, 7 और 8 इस बात पर जोर देने का अधिकार नहीं प्रदान करती कि दस्तावेज इलेक्ट्रॉनिक रूप में स्वीकार किए जाएं
80.	<p>An electronic record shall be attributed to the originator, as per Information Technology Act, 2010 :</p> <ul style="list-style-type: none"> (i) If it was sent by the originator himself; (ii) By a person who had the authority to act on behalf of the originator in respect of that electronic record; (iii) By an information system programmed by or on behalf of the originator to operate automatically. <p>Choose the correct option from below:-</p> <ul style="list-style-type: none"> a) Only Statement (i) and (iii) are correct b) Only Statement (ii) and (iii) are correct. c) All Statement (i), (ii) and (iii) are correct. d) Only Statement (ii) is correct. <p>सूचना प्रद्योगिकी अधिनियम, 2010 के अनुसार एक इलेक्ट्रॉनिक</p>

	<p>रिकॉर्ड प्रारंभकर्ता से संबंधित माना जाएगा:</p> <ul style="list-style-type: none"> (i) यदि यह प्रारंभकर्ता द्वारा स्वयं भेजा गया हो (ii) एक व्यक्ति द्वारा जिसे, इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड के विषय में प्रारंभकर्ता की तरफ कार्य करने के लिए प्राधिकृत किया गया हो। (iii) प्रारंभकर्ता द्वारा या उसकी ओर से प्रोग्राम किए गये एक स्वचालित सूचना प्रणाली द्वारा <p>निम्न में से सही विकल्प चुनें:-</p> <ul style="list-style-type: none"> a) केवल कथन (i) और (iii) सही हैं। b) केवल कथन (ii) और (iii) सही हैं। c) सभी कथन (i), (ii) और (iii) सही हैं। d) केवल कथन (ii) सही है।
81.	<p>If, by application of a security procedure agreed to by the parties concerned, it can be verified that a digital signature, at the time it was affixed, was—</p> <ul style="list-style-type: none"> (i) Unique to the subscriber affixing it; (ii) Capable of identifying such subscriber; (iii) Created in a manner or using a means under the inclusive control of the subscriber and is linked to the electronic record to which it relates in such a manner that if the electronic record was altered the digital signature would be invalidated, (iv) Created in a manner or using a means under the exclusive control of the subscriber and is linked to the electronic record to which it relates in such a manner that if the electronic record was altered the digital signature would be invalidated, then such digital signature shall be deemed to be a secure digital signature. <p>Choose the correct option:-</p> <ul style="list-style-type: none"> a) Only Statement (i), (ii) and (iii) are correct. b) Only Statement (i) and (ii) are not correct. c) Only Statement (i), (ii) and (iv) are correct. d) Only Statement (iii) is correct. <p>यदि संबंधित पार्टियों द्वारा सहमत सुरक्षा प्रक्रिया के प्रयोग द्वारा यह सत्यापित किया जा सकता है कि प्रयोग किये जाने के समय, अंकीय चिह्नक..... था;-</p> <ul style="list-style-type: none"> (i) सम्बद्ध उपयोगकर्ता के लिए विशिष्ट (ii) ऐसे उपयोगकर्ता को पहचानने में समर्थ (iii) उपयोगकर्ता के समावेश नियंत्रण के अधीन साधन का प्रयोग करके या इस प्रकार बनाया और इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड से जोड़ा गया जो इस प्रकार संबंधित है कि यदि

	<p>इलेक्ट्रानिक रिकार्ड को बदला गया तो अंकीय चिह्नक अमान्य हो जाएगा</p> <p>(iv) उपयोगकर्ता के अनन्य नियंत्रण के अधीन साधन का प्रयोग करके या इस प्रकार बनाया और इलेक्ट्रानिक रिकॉर्ड से जोड़ा गया जो इस प्रकार संबंधित है कि यदि इलेक्ट्रानिक रिकार्ड को बदला गया तो अंकीय चिह्नक अमान्य हो जाएगा तो ऐसे अंकीय चिह्नक को सुरक्षित अंकीय चिह्नक माना जाएगा।</p> <p>सही विकल्प चुनें:-</p> <p>a) केवल कथन (i), (ii) और (iii) सही हैं</p> <p>b) केवल कथन (i) और (ii) सही नहीं हैं</p> <p>c) केवल कथन (i), (ii) और (iv) सही हैं</p> <p>d) केवल कथन (iii) सही हैं</p>
82.	<p>Under Information Technology Act 2000, which one of the following constitutes identity theft, -</p> <p>a) Illegal use of someone else's personal information;</p> <p>b) Making use of the electronic signature, password or any other unique identification feature of any other person</p> <p>c) On-line misappropriation of identity tokens using information and communication technologies;</p> <p>d) Denying or cause the denial of access to any person of his personal information stored in computer systems;</p> <p>सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 के तहत निम्न में से कौन सा विकल्प पहचान की चोरी को संस्थापित करता है-</p> <p>a) किसी अन्य व्यक्ति की व्यक्तिगत सूचना का अनाधिकृत प्रयोग</p> <p>b) किसी अन्य व्यक्ति के इलेक्ट्रानिक चिह्नक, पासवर्ड या किसी अन्य कोई विशिष्ट पहचान चिह्न का प्रयोग करना</p> <p>c) सूचना और संचार तकनीक का प्रयोग करते हुए पहचान टोकन का ऑन-लाइन दुरुप्रयोग</p> <p>d) किसी कम्प्यूटर प्रणाली में सुरक्षित उसकी व्यक्तिगत जानकारी तक पहुंच के लिए उस व्यक्ति को किसी भी साधन से पहुंचने में बाधा उत्पन्न करना या करवाना</p>
83.	<p>Out of the following statements, which statement is/are is not correct about the Right to Information Act 2005?</p> <p>(i) The RTI Act came into force from April 2005.</p> <p>(ii) Any citizen may request information from a public authority of Government and Private.</p> <p>(iii) The basic objective of the RTI Act is to empower the citizens, promote transparency and accountability in the working of the Government</p>

	<p>(iv) There is a nominal application fee that is needed to pay to get information under the RTI Act.</p> <p>Choose the correct option from below:-</p> <p>a) (i) and (ii)</p> <p>b) (ii) and (iii)</p> <p>c) (ii) and (iv)</p> <p>d) None of the above</p> <p>सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के संबंध में नीचे लिखे कथनों में से कौनसा/से कथन सही नहीं है-</p> <p>(i) सूचना का अधिकार अधिनियम अप्रैल 2005 से लागू हुआ।</p> <p>(ii) कोई भी नागरिक सरकार और निजी संस्था के लोक प्राधिकारी से सूचना के लिए अनुरोध कर सकता है।</p> <p>(iii) सूचना का अधिकार अधिनियम का मूल उद्देश्य नागरिकों को सशक्त बनाना, पारदर्शिता को बढ़ावा देना और सरकार के कार्यों में जवाबदेही तय करना है।</p> <p>(iv) सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत सूचना प्राप्त करने हेतु नाममात्र आवेदन शुल्क का भुगतान करना होता है।</p> <p>सही विकल्प चुनें:-</p> <p>a) (i) और (ii)</p> <p>b) (ii) और (iii)</p> <p>c) (ii) और (iv)</p> <p>d) उपर्युक्त में से कोई नहीं</p>
84.	<p>As per the Right to information Act, 2005, which of the following statements are correct?</p> <p>(i) PSUs fall within the category of public authorities.</p> <p>(ii) Even if the law constituting a PSU does not allow disclosure of certain categories of information, the RTI Act, 2005 overrides any such law in existence.</p> <p>(iii) However, if an applicant seeks information, that includes commercial confidence, trade secrets or Intellectual Property Rights (IPRs) etc. the disclosure of which will affect the competitive position of that PSU, such information may not be given unless there is a larger public interest involved.</p> <p>Choose the correct option:-</p> <p>a) Only (i) & (ii) are correct</p> <p>b) Only (ii) & (iii) are correct</p>

	<p>c) Only (i) and (iii) are correct d) All the above are correct</p> <p>सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अनुसार निम्न में से कौन से कथन सही हैं-</p> <p>(i) सार्वजनिक उपक्रम लोक प्राधिकारी की श्रेणी के अंतर्गत आते हैं। (ii) सार्वजनिक उपक्रम को गठित करने वाले किसी कानून में सूचना के प्रकटीकरण की अनुमति नहीं होने के बावजूद सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 ऐसे किसी भी विद्यमान कानून पर अधिभावी होता है। (iii) तथापि, यदि एक आवेदक ऐसी सूचना मांगता है जिसमें वाणिज्यिक विश्वास, व्यापार की गोपनीयता या बौद्धिक संपत्ति अधिकार इत्यादि शामिल हो; जिसके प्रकटीकरण से सार्वजनिक उपक्रम के प्रतियोगितात्मक स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता हो, तो इस प्रकार की सूचना तब तक नहीं दी जा सकती जब तक इसमें कोई बड़ा लोक हित शामिल न हो</p> <p>सही विकल्प चुनें:-</p> <p>a) केवल (i) और (ii) सही है। b) केवल (ii) और (iii) सही है। c) केवल (i) और (iii) सही है। d) सभी सही हैं।</p>
85.	<p>As per the Right to information Act, 2005, If the interest of the third party is involved in the information sought for, the maximum time limit to get the information will be,</p> <p>a) 30 days b) 40 days c) 60 days d) 45 days</p> <p>सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अंतर्गत यदि मांगी गई सूचना में परव्यक्ति का हित शामिल हो, तो सूचना प्राप्त करने की अधिकतम समयावधि होगी-</p> <p>a) 30 दिन b) 40 दिन c) 60 दिन d) 45 दिन</p>
86.	<p>As per the Right to information Act, 2005, which of the following statement/s is/are</p>

	<p>correct?</p> <ul style="list-style-type: none"> (i) As per decision No.18/IC(A)/2006 dt.28.03.2006 of the CIC, Annual Confidential Reports (ACRs) written by the superior officers are personal and confidential information and therefore exempted under Section 8 (1)(j) of the RTI Act. (ii) The Annual Confidential Reports (ACRs) written by the superior officers are personal and confidential information and therefore exempted under Section 4 of the RTI Act. (iii) Only e- Annual Performance Appraisal Reports can be shared. (iv) Only the spouse of the Government officer can get access to Annual Confidential Reports (ACRs) under the RTI Act. <p>Choose the correct option:-</p> <ul style="list-style-type: none"> a) (i) and (ii) are correct b) (i) and (iv) are correct c) (i) and (iii) are correct d) (i) is correct <p>सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अनुसार निम्न में से कौन से कथन सही है ?</p> <ul style="list-style-type: none"> (i) केन्द्रीय सूचना आयोग के दिनांक 28.03.2006 के निर्णय सं: न. 18/IC(A)/2006 के अनुसार उच्च अधिकारियों द्वारा लिखी गई वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट व्यक्तिगत और गोपनीय सूचना है इसलिए सूचना का अधिकार अधिनियम की धारा 8(1)(J) के तहत यह छूट प्राप्त है। (ii) वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा लिखी गई वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट व्यक्तिगत और गोपनीय सूचना है इसलिए सूचना का अधिकार अधिनियम की धारा 4 के तहत यह छूट प्राप्त है। (iii) केवल ई-वार्षिक कार्य निष्पादन मूल्यांकन रिपोर्टें ही साझा की जा सकती हैं। (iv) सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत सरकारी अधिकारी की केवल पत्नी/पति ही वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट प्राप्त कर सकते हैं। <p>सही विकल्प चुनें:-</p> <ul style="list-style-type: none"> a) (i) और (ii) सही है b) (i) और (iv) सही है c) (i) और (iii) सही है d) (i) सही है
87.	<p>Which of the following statements are correct as per section 11 of the Right to Information Act 2005? In a single application, if the applicant requests information that relates to a public authority and also other public authority/authorities, the Public Information Officer (PIO) responsible has to,</p>

	<p>(i) Reject the entire application due to lack of jurisdiction and directs the applicant to file a fresh application before the appropriate authority.</p> <p>(ii) The PIO has the power to transfer an application or parts of it if the same relates to information held by another public authority as per the Section 6 (3) of the RTI Act 2005.</p> <p>(iii) The application shall be transferred to the PIO concerned within 5 days and the applicant has to be informed about the transfer in writing.</p> <p>(iv) The application shall be transferred to the PIO concerned within 7 days and the applicant has to be informed about the transfer in writing.</p> <p>Choose the correct option:-</p> <p>a) All are correct</p> <p>b) Only (i) and (iii) are correct</p> <p>c) Only (i), (ii) and (iv) are correct</p> <p>d) Only (ii) and (iii) are correct</p> <p>सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 11 के अनुसार निम्न में से कौन सा/से कथन सही हैं ?</p> <p>यदि आवेदक एक ही आवेदन में लोक प्राधिकारी तथा अन्य लोक प्राधिकारी/प्राधिकारियों से संबंधित सूचना प्राप्त करने का अनुरोध करता है, तो उत्तरदायी जन सूचना अधिकारी को क्या करना चाहिए ?</p> <p>(i) उचित क्षेत्राधिकार न होने के कारण पूर्ण आवेदन को रद्द कर दे तथा आवेदक को उपयुक्त प्राधिकारी के समक्ष नया आवेदन दाखिल करने का निदेश दे।</p> <p>(ii) सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 6(3) के अनुसार जन सूचना अधिकारी को यह अधिकार है कि वह आवेदन या उसके भाग को स्थानान्तरित करें यदि इससे संबंधित सूचना किसी अन्य लोक प्राधिकारी के पास धारित है।</p> <p>(iii) आवेदन को संबंधित जन सूचना अधिकारी को 5 दिनों के भीतर स्थानान्तरित किया जाएगा तथा आवेदक को इस स्थानान्तरण की सूचना लिखित में देनी होगी।</p> <p>(iv) आवेदन को संबंधित जन सूचना अधिकारी को 7 दिनों के भीतर स्थानान्तरित किया जाएगा तथा आवेदक को इस स्थानान्तरण की सूचना लिखित में देनी होगी।</p> <p>सही विकल्प चुनें:-</p> <p>a) सभी सही हैं</p> <p>b) केवल (i) और (iii) सही है</p> <p>c) केवल (i), (ii) और (iv) सही है</p> <p>d) केवल (ii) और (iii) सही है</p>
88.	If the Public Information Officer fails to give information to the applicant within the

	<p>specific time prescribed in the Right to Information Act, it is called as-----.</p> <p>a) Withholding of Information b) Contempt c) Time barred d) Deemed rejection</p> <p>यदि जन सूचना अधिकारी सूचना अधिकार अधिनियम में विहित विनिर्दिष्ट समय-सीमा में आवेदक को सूचना प्रदान करने में असफल होते हैं तो इसे कहा जाएगा-</p> <p>a) सूचना रोकना b) अवमानना c) समय वर्जित d) मानित नामंजूरी</p>
89.	<p>Which of the following statements are correct regarding the objectives of the Right to Information Act?</p> <p>(i) To set up a system and mechanisms that facilitate people's easy access to information. (ii) To promote transparency and accountability in Governance. (iii) To reduce corruption and inefficiency in public office. (iv) To punish the corrupt officials.</p> <p>Choose the correct option:-</p> <p>a) Only (i) and (ii) are correct b) Only (i), (ii) and (iii) are correct c) Only (i), (ii) and (iv) are correct d) All the above are correct.</p> <p>सूचना का अधिकार अधिनियम के उद्देश्यों के संबंध में निम्न में से कौन से कथन सही है-</p> <p>(i) ऐसी प्रणाली और तंत्र का गठन करना जो जन साधारण को सूचना की सरल उलब्धता को सुसाध्य बनाए। (ii) शासन में उत्तरदायित्व और पारदर्शिता को बढ़ाना (iii) लोक कार्यालय में भ्रष्टाचार और अदक्षता को कम करना (iv) भ्रष्ट कार्मिकों को दंडित करना</p> <p>सही विकल्प चुनें:-</p> <p>a) केवल (i) और (ii) सही हैं। b) केवल (i), (ii) और (iii) सही हैं। c) केवल (i), (ii) और (iv) सही हैं। d) उपर्युक्त सभी सही हैं।</p>

90.	<p>As per the Right to Information Act, "third party" means,</p> <ol style="list-style-type: none"> A person requesting information on behalf of the applicant. A person other than the citizen making a request for information and which not includes a public authority. Information pertains to a person other than the person from whom the information sought for. A person other than the citizen making a request for information and includes a public authority. <p>सूचना का अधिकार अधिनियम के अनुसार "परव्यक्ति" से अभिप्राय है—</p> <ol style="list-style-type: none"> आवेदक की ओर से सूचना मांगने वाला व्यक्ति नागरिक से भिन्न व्यक्ति जो सूचना मांगने का अनुरोध कर रहा है और इसमें लोक प्राधिकारी शामिल नहीं है। जिस व्यक्ति से सूचना मांगी गई है, उससे भिन्न व्यक्ति से सूचना संबंधित है। नागरिक से भिन्न व्यक्ति जो सूचना मांगने का अनुरोध कर रहा है और इसमें लोक प्राधिकारी शामिल है।
91.	<p>Which of the following under the Right to Information Act (RTI), 2005 means "competent authority":</p> <ol style="list-style-type: none"> The Chief Justice of India in the case of the Supreme Court; The Prime Minister of India; The Administrator appointed under article 239 of the constitution; The Chief Minister of a State; <p>Choose the correct option:-</p> <ol style="list-style-type: none"> Only (ii) Only (i), (ii) & (iii) Only (ii) & (iv) All the above <p>सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 (आर.टी.आई.) अंतर्गत निम्नलिखित में से कौन "सक्षम प्राधिकारी" है:</p> <ol style="list-style-type: none"> उच्चतम न्यायालय के मामले में भारत का मुख्य न्यायाधीश भारत का प्रधानमंत्री संविधान के अनुच्छेद 239 के अधीन नियुक्त प्रशासक एक राज्य का मुख्यमंत्री <p>सही विकल्प चुनें:-</p> <ol style="list-style-type: none"> केवल (ii) केवल (i), (ii) और (iii) केवल (ii) और (iv) उपर्युक्त सभी

92.	<p>Section 10 of the RTI Act, 2005 deals with:</p> <ul style="list-style-type: none"> a) Exempt information b) Maintenance of record by public authorities to comply with the provisions of RTI Act, 2005 c) Part provision of information in cases where exempt information is involved d) None of the above <p>आर.टी.आई. अधिनियम, 2005 की धारा 10 किससे संबंधित है ?</p> <ul style="list-style-type: none"> a) छूट प्राप्त सूचना b) लोक प्राधिकरणों द्वारा आर.टी.आई. एक्ट-2005 के प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए दस्तावेजों का रखरखाव c) ऐसे मामलों में जहां सूचना, प्रकट किये जाने से छूट प्राप्त हो, सूचना के आंशिक प्रकटन का प्रावधान d) उपर्युक्त में से कोई नहीं
93.	<p>Which ministry of the Government of India acts as the co-ordinating agency in respect of the RTI Act, 2005?</p> <ul style="list-style-type: none"> a) Ministry of Personnel, Public Grievances and Pensions b) Ministry of Information c) Ministry of Home Affairs d) None of the above <p>आर.टी.आई. एक्ट-2005 के संदर्भ में, भारत सरकार का कौन सा मंत्रालय एक समन्वय एजेंसी के रूप में काम करता है ?</p> <ul style="list-style-type: none"> a) कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय । b) सूचना मंत्रालय । c) गृह मंत्रालय । d) उपर्युक्त में से कोई नहीं ।
94.	<p>According to Mitakshara law, in order to determine what property is available for partition, what provision must be made at first ?</p> <ul style="list-style-type: none"> a) Joint family debts payable out of joint family property b) Personal debts of the father not tainted by immorality c) Maintenance of dependent female members and of disqualified heirs, and for the marriage expenses of unmarried daughters. d) All of the above. <p>मिताक्षरा विधि के अनुसार, विभाजन के लिए कौन सी संपत्ति उपलब्ध है, यह चिन्हित करने के लिए सर्वप्रथम क्या प्रावधान किया जाना चाहिए ?</p> <ul style="list-style-type: none"> a) संयुक्त पारिवारिक संपत्ति में से देय संयुक्त पारिवारिक ऋण

	<p>b) पिता के निजी ऋण जो कि अनैतिकता से दूषित न हों</p> <p>c) आश्रित महिला सदस्यों व निरर्हित वारिसों का भरण-पोषण तथा अविवाहित पुत्रियों के विवाह हेतु व्यय</p> <p>d) उपर्युक्त सभी</p>
95.	<p>As per Mitakshara School of Hindu Law, the lineal male descendants acquire ownership in properties on birth up to which generation –</p> <p>a) Fourth</p> <p>b) Sixth</p> <p>c) Third</p> <p>d) Second</p> <p>हिन्दू विधि की मिताक्षर परंपरा के अनुसार, पारंपरिक पुरुष वंशज, अपने जन्म पर, कितनी पीढ़ियों तक, संपत्ति में स्वामित्व अर्जित करता है-</p> <p>a) चौथी</p> <p>b) छठी</p> <p>c) तीसरी</p> <p>d) दूसरी</p>
96.	<p>As per Mitakshara School of thought, sapinda relationship extends to –</p> <p>a) Seven degrees reckoned from and inclusive of the deceased or six degrees if we exclude the deceased</p> <p>b) Six degrees reckoned from and inclusive of the deceased or five degrees if we exclude the deceased</p> <p>c) Eight degrees reckoned from and inclusive of the deceased or seven degrees if we exclude the deceased</p> <p>d) Five degrees reckoned from and inclusive of the deceased or four degrees if we exclude the deceased</p> <p>हिन्दू विधि की मिताक्षरा शाखा में सपिण्ड संबंध का विस्तार कहां तक होता है ?</p> <p>a) मृतक को मिलाकर या उससे गिनकर सात पीढ़ियों तक अथवा छह पीढ़ियां, यदि हम मृतक को हटा दें।</p> <p>b) मृतक को मिलाकर या उसे गिनकर छह पीढ़ियों तक अथवा पांच पीढ़ियां, यदि हम मृतक को हटा दें।</p> <p>c) मृतक को मिलाकर या उसे गिनकर आठ पीढ़ियों तक अथवा सात पीढ़ियां, यदि हम मृतक को हटा दें।</p> <p>d) मृतक को मिलाकर या उसे गिनकर पांच पीढ़ियों तक अथवा चार पीढ़ी, यदि हम मृतक को हटा दें।</p>
97.	<p>Which of the below is false:</p> <p>a) A father under Mitakshara (not a sole surviving coparcener), could dispose off by Will his undivided coparcenary interests only if the other coparceners consented to this disposition.</p>

	<p>b) A father in Dayabhaga school could dispose off by Will all his property, whether ancestral or self acquired.</p> <p>c) In Dayabhaga school, a coparcener could dispose off by Will, the whole of his interest in the joint family property.</p> <p>d) As per Mitakshara, the moment the coparcener died his undivided interest devolved by survivorship on the other coparceners.</p> <p>निम्नलिखित में से कौन सा गलत है:</p> <p>a) मिताक्षर के तहत कोई पिता (एकमात्र जीवित सहदायितक नहीं) अपने अविभक्त सहदायिक हितों को वसीयत द्वारा केवल तभी व्ययनित कर सकता है, जब दूसरे सहदायी इस व्ययन से सहमत हों।</p> <p>b) दयाभाग विधि के तहत कोई पिता अपनी संपूर्ण संपत्ति को वसीयत द्वारा व्ययन कर सकता है चाहे वह पैतृक हो या स्वः अर्जित हो।</p> <p>c) दयाभाग विधि में कोई सहदायिक, वसीयत द्वारा संयुक्त पारिवारिक संपत्ति में अपने संपूर्ण हितों का व्ययन कर सकता है।</p> <p>d) मिताक्षरा के अनुसार, जिस क्षण सहदायिक की मृत्यु होती है, उसका अविभाजित हित उत्तरजीविता द्वारा अन्य सहदायिकों को हस्तांतरित हो जाता है।</p>
98.	<p>Mr. X, a Hindu, his wife Mrs. X and their two unmarried major sons A and B form a HUF wherein X is Karta. Mr. and Mrs. X adopt another son C and declare him as a co-parcener in the HUF. The biological sons A and B oppose this. In this context which of the following statements are correct?</p> <p>(i) They are correct since an adopted son cannot become a co-parcener of HUF of his adopted family since he is not of the common blood.</p> <p>(ii) The adopted son C cannot become a coparcener since he is not of the common blood but can become only a member of the HUF.</p> <p>(iii) The adopted son C has equal rights as that of natural born sons A and B. Therefore, C can become co-parcener in the HUF of his adopted family.</p> <p>Choose the correct option:-</p> <p>a) Only (i) is correct</p> <p>b) Only (ii) is correct</p> <p>c) Only (iii) is correct</p> <p>d) Both (i) and (ii) are correct</p> <p>श्री X, एक हिन्दू, श्रीमती X और उनके दो वयस्क पुत्र A और B हिन्दू अविभाजित परिवार से हैं, जहां कि X कर्ता हैं। श्री और श्रीमती X एक अन्य पुत्र C को गोद ले लेते हैं और उसे एच.यू.एफ. में सह-समांशी घोषित कर देते हैं। जैविक पुत्र A और B इसका विरोध करते हैं। इस संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है ?</p> <p>i) वे सही हैं, चूंकि एक दत्तक पुत्र अपने गोद लेने वाले परिवार का एक समान रक्त संबंधी नहीं है, इसलिए वह</p>

	<p>एच.यू.एफ. में सह-समांशी नहीं हो सकता।</p> <p>ii) दत्तक पुत्र C, सह-समांशी नहीं बन सकता चूंकि वह एक समान रक्त संबंधी नहीं है, परन्तु वह केवल एच.यू.एफ. का सदस्य बन सकता है।</p> <p>iii) दत्तक पुत्र C को जैविक संतान A और B के समान अधिकार प्राप्त हैं। अतः C अपने गोद लेने वाले एच.यू.एफ. परिवार में सह-समांशी बन सकता है।</p> <p>सही विकल्प चुनें:-</p> <p>a) केवल (i) सही है</p> <p>b) केवल (ii) सही है</p> <p>c) केवल (iii) सही है</p> <p>d) (i) और (ii) दोनों सही हैं</p>
99.	<p>Mr. A and his two married sons, B and C constitute a HUF wherein A is the Karta. Both B and C are married and while B has two major sons, C has one minor daughter. C applies for PAN for his HUF which comprises of himself, his wife, and his minor daughter. His PAN application is rejected by the authorised officer citing the reason that there cannot a HUF within a HUF. Which of the following is correct?</p> <p>(i) No, the PAN is incorrectly rejected since there can be a HUF within a HUF as per Hindu Law.</p> <p>(ii) Yes, the PAN has been correctly rejected since there cannot be a HUF within a HUF and C can form HUF only after partition of the larger HUF.</p> <p>Choose the correct option:-</p> <p>a) Only (i) is correct</p> <p>b) Only (ii) is correct</p> <p>c) Neither (i) nor (ii) is correct</p> <p>d) Information provided is insufficient</p> <p>श्री A और उनके दो विवाहित पुत्र B और C एक एच.यू.एफ. गठित करते हैं जिसमें A कर्ता है। B और C दोनों विवाहित हैं जबकि B के दो वयस्क पुत्र हैं और C की एक नाबालिग पुत्री है। C अपने एच.यू.एफ. के लिए एक पैन का आवेदन करते हैं, जिसमें वह स्वयं उनकी पत्नी और नाबालिग पुत्री शामिल है। उसका पैन आवेदन प्राधिकृत अधिकारी द्वारा यह कारण देते हुए अस्वीकृत कर दिया जाता है कि एक एच.यू.एफ. के भीतर अन्य एच.यू.एफ. नहीं हो सकता। निम्न में से कौन सा विकल्प सही है:</p> <p>i) नहीं, पैन को गलत अस्वीकृत किया गया क्योंकि हिन्दू विधि के अनुसार एक एच.यू.एफ. के भीतर अन्य एच.यू.एफ. हो सकता है।</p> <p>ii) हाँ, पैन को सही अस्वीकृत किया गया चूंकि एक एच.यू.एफ. के भीतर अन्य एच.यू.एफ. नहीं हो सकता और C केवल बड़े एच.यू.एफ. के विभाजन के बाद ही एच.यू.एफ. बना सकता है।</p> <p>सही विकल्प चुनें:-</p>

	<p>a) केवल (i) सही है</p> <p>b) केवल (ii) सही है</p> <p>c) न ही (i) सही है और न ही (ii)</p> <p>d) दी गई सूचना अपर्याप्त है</p>
100.	<p>What is the nature of a review proceeding under Order XLVII of the Civil Procedure Code, 1908?</p> <p>a) It is a new suit</p> <p>b) It is a continuation of the original suit</p> <p>c) It is an appeal</p> <p>d) It is a revision</p> <p>सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के आदेश XLVII के अधीन पुनर्विलोकन कार्यवाही की प्रकृति क्या है ?</p> <p>a) यह एक नया वाद है</p> <p>b) यह मूल वाद की निरंतरता है</p> <p>c) यह एक अपील है</p> <p>d) यह एक परिशोधन है</p>
